RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 349 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 17-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भारी बारिश के बीच शुभेंदु रथ यात्रा में शामिल हुए

6 यूपी में कांग्रेस क्यों दिखा रही है अखिलेश को 'आंखें'?

7 पंजाबी सिनेमा में लौटीं अपूर्वा अरोड़ा

फर्स्ट टेक

तृणमूल कांग्रेस की रुक्मिणी मलिक ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की रुक्मिणी मलिक ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के सत्ता से बाहर होने के बाद इस्तीफा देने वाली मलिक तृणमूल कांग्रेस की चौथी सांसद हैं। मलिक ने राज्यसभा के सभापति से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने अपने इस्तीफा पत्र में कहा, ''मैं राज्यसभा की सदस्यता से अपना इस्तीफा देती हूं, जिसे कृपया तत्काल प्रभाव से स्वीकार किया जाए।'' उन्होंने पत्र में कहा, ''मैं राज्यसभा की सदस्य के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उपसभापति और राज्यसभा सचिवालय के सभी अधिकारियों द्वारा दिए गए सहयोग और मदद के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं।'' इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाईक भी राज्यसभा से इस्तीफा दे चुके हैं।

कुवैत पर ईरान की तरफ से ताजा हमले

दुबई/एपी। कुवैत की सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे ईरान की तरफ से ताजा हमलों का सामना करना पड़ा है और उसने इन हमलों को नाकाम करने का प्रयास किया है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका ने ईरान पर अपने हमले तेज कर दिए हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव बढ़ गया है। पिछले कुछ दिनों में अमेरिका ने ईरान के शहरों को निशाना बनाया है जबकि ईरान पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमला कर रहा है।

छड़ी-मुबारक स्वामी अमरनाथ जी की वार्षिक यात्रा 29 को होगी

श्रीनगर/भाषा। छड़ी मुबारक स्वामी अमरनाथ जी के संरक्षक महंत दीपेंद्र गिरी ने बृहस्पतिवार को दक्षिण कश्मीर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के लिए छड़ी मुबारक की पारंपरिक यात्रा के कार्यक्रम की घोषणा की। गिरी ने एक बयान में कहा, सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार, इस वर्ष बुधवार, 29 जुलाई को 'आषाढ़ पूर्णिमा' के पावन अवसर पर पहलगाम में छड़ी मुबारक स्वामी अमरनाथ जी की वार्षिक तीर्थयात्रा के पारंपरिक शुभारंभ से जुड़े अनुष्ठान-'भूमि पूजन', 'नवग्रह पूजन' और 'ध्वजारोहण'-संपन्न होंगे। उन्होंने कहा कि 12 अगस्त को छड़ी मुबारक को शंकराचार्य मंदिर और 13 अगस्त को शारिका भवानी मंदिर ले जाया जाएगा। इसके बाद 15 अगस्त को श्री अमरेश्वर मंदिर, दशनामी अखाड़ा, श्रीनगर में छड़ी स्थापना का अनुष्ठान किया जाएगा।

सूर्यास्त 17-07-2026	सूर्योदय 18-07-2026
6:39 बजे	5:53 बजे

BSE	NSE
77,186.87	24,072.75
(+1.44)	(-5.75)

सोना	चांदी
14,758 रु.	228,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासी गठबंधन

कैसे मेंढ़क तुले तराजू,
पड़ा अक्ल पर सबके कोड़ा।
टांग खेंचते इक दूजे की,
चले अढ़ाई घर ज्यूं घोड़ा।
गिद्ध भोज में जुटे जीमने,
भुक्कड़ कोई ज्यादा-थोड़ा।
लगे सियासी गठबंधन यूं,
भानुमती ने कुनबा जोड़ा।।

'जय जगन्नाथ' के जयघोषों के साथ पुरी में खींचे गए रथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी में रथ यात्रा के मुख्य अनुष्ठान के तहत बृहस्पतिवार को 'जय जगन्नाथ'' के उद्घोष के बीच भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के रथों को 'बड़ा डंडा' (रथ मार्ग) पर खींचना शुरू किया गया। हजारों श्रद्धालुओं ने सबसे पहले भगवान बलभद्र के 'तालध्वज' रथ को खींचा और इसके बाद देवी सुभद्रा के 'दर्पदलन' रथ को आगे बढ़ाया। भगवान जगन्नाथ का 'नंदीघोष' रथ इन दोनों रथों के पीछे था। ये रथ 12वीं सदी के श्री जगन्नाथ मंदिर से करीब 2.6 किलोमीटर दूर श्री गुंडिचा मंदिर की ओर बढ़ रहे हैं। श्री गुंडिचा मंदिर को इन देवी-देवताओं का जन्मस्थान माना जाता है। मंदिर के एक पदाधिकारी ने बताया कि पूर्ववर्ती पुरी रियासत के राजा गजपति महाराजा दिब्यसिंह देब द्वारा पारंपरिक छेरा पहनरा' (रथों में झाड़ू लगाने की रस्म) किए जाने और पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती के आने के बाद रथों को खींचना शुरू किया गया।

''हरि बोल'' के उद्घोष, झांझ और तुरही की ध्वनियों एवं शंखनाद के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथ यात्रा उत्सव के साक्षी बने। इससे पहले 'पहंडी' की रस्म के तहत देवी-देवताओं के विग्रहों को मंदिर से रथों तक लाया गया। मंदिर के एक पदाधिकारी ने बताया कि सबसे पहले श्री सुदर्शन को रथ पर विराजमान किया गया। इसके बाद देवी सुभद्रा, भगवान बलभद्र और भगवान जगन्नाथ को उनके रथों पर ले जाया गया। पंडित सूर्यनारायण रथशर्मा ने बताया कि श्री सुदर्शन भगवान विष्णु का चक्र रूपी अस्त्र है। भगवान विष्णु की पूजा पुरी में भगवान जगन्नाथ के रूप में की जाती है।

हर साल उड़िया महीने में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को आयोजित होने वाली रथ यात्रा ही वह एकमात्र अवसर होता है, जब भाई-बहन के रूप में पूजे जाने वाले देवी-देवताओं के विग्रहों को मंदिर के रत्नजड़ित सिंहासन- रत्न सिंहासन' से उतार कर बाहर लाया जाता है। पुरी में भारी बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई और वे 'बड़ा डंडा' पर नृत्य करते तथा रथ यात्रा का जश्न मनाते नजर आए।

अत्यधिक भीड़ के बीच एक व्यक्ति की मौत

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी में बृहस्पतिवार को रथ यात्रा के दौरान अचानक भीड़ बढ़ने के बीच एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग अस्वस्थ हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्राधिकारियों ने बताया कि एक अलग और असंबंधित घटना में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई।

भारत के पहले निजी कक्षीय रॉकेट 'विक्रम-1' का प्रक्षेपण कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। स्काईरूट एयरोस्पेस के 'विक्रम-1' कक्षीय रॉकेट को इसकी पहली परीक्षण उड़ान के तहत 18 जुलाई को पूर्वाह्न 11:30 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र-एसएचएआर के 'प्रथम लॉन्च पैड' से प्रक्षेपित किया जाएगा। यह पहली बार होगा जब पूर्ण रूप से किसी निजी कंपनी द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया कक्षीय श्रेणी का रॉकेट भारतीय धरती से उड़ान भरने की कोशिश करेगा। स्काईरूट ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि संबंधित अधिकारियों ने हवाई और समुद्र क्षेत्र से संबंधित आवश्यक नोटिस जारी कर दिए हैं तथा प्रक्षेपण के दिन विक्रम-1' के ऊपर जाने और गिरने के मार्ग में पड़ने वाले प्रतिबंधित क्षेत्रों को औपचारिक रूप से निर्धारित कर दिया है।

'मिशन आगमन' का प्रक्षेपण वैश्विक प्रक्षेपण कारोबार में भारत के निजी क्षेत्र के आगमन का प्रतीक है। स्काईरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पवन कुमार चांदना ने कहा, हमने ज़मीन पर विक्रम-1' के परीक्षण के लिए हरसंभव कोशिश की है। 18 जुलाई को हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि विक्रम-1' वास्तविक उड़ान के माहौल में पहली बार कैसा प्रदर्शन करता है।

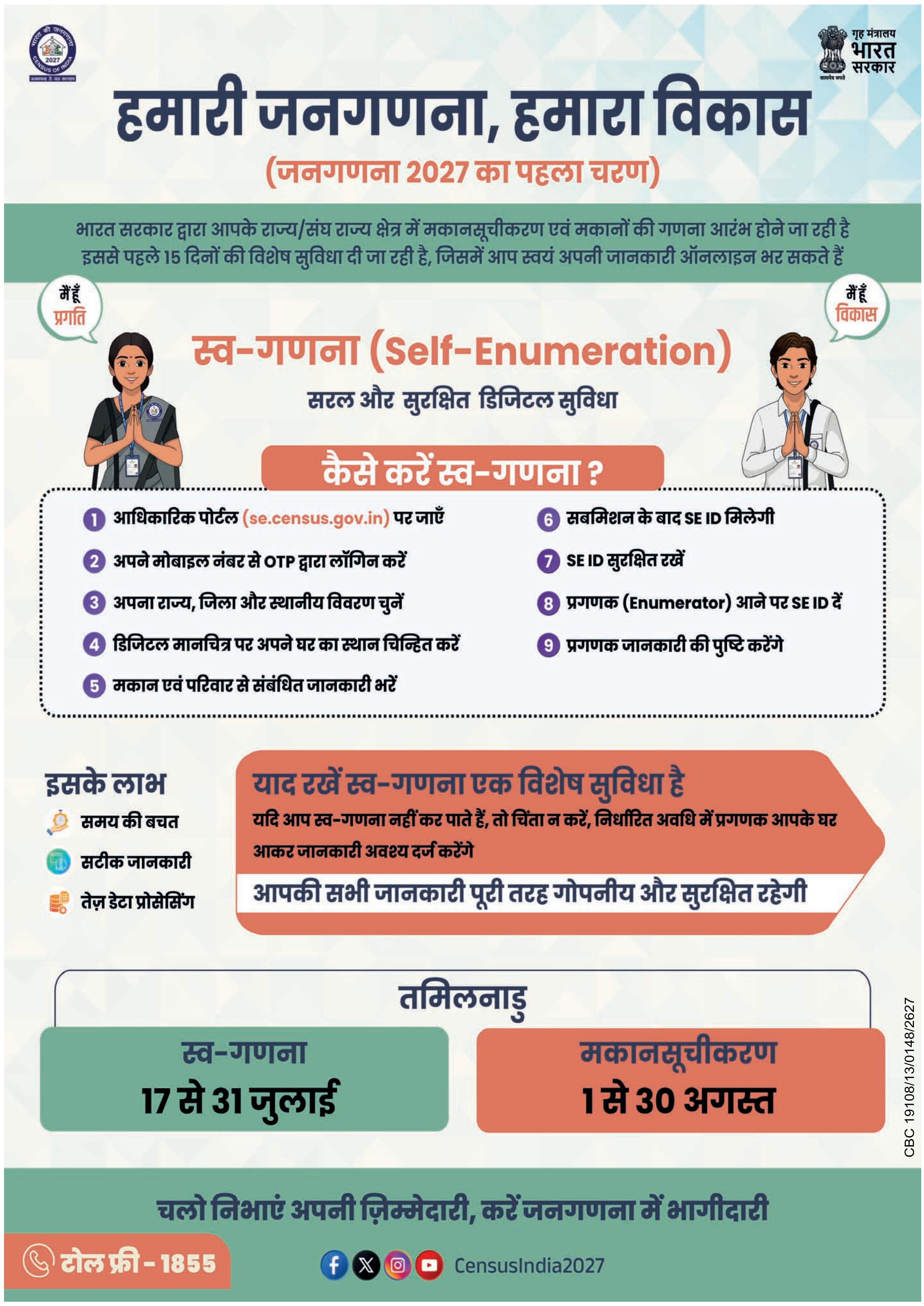

केवल गंगा किनारे बसे शहरों पर ध्यान देकर नदी को स्वच्छ नहीं रखा जा सकता : एनएमसीजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि गंगा को स्वच्छ बनाए रखने के लिए केवल नदी किनारे बसे शहरों में ही नहीं, बल्कि पूरे गंगा नदी बेसिन के शहरों में भी प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपाय करना आवश्यक है, क्योंकि इन क्षेत्रों का अपशिष्ट जल अंततः गंगा नदी में ही पहुंचता है।

मिशन ने 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के तहत मेरठ में किए जा रहे कार्यों का उदाहरण देते हुए यह बात कही। एनएमसीजी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरठ गंगा की मुख्य धारा के किनारे स्थित नहीं है। यहां से गंगा दिखाई भी नहीं देती। फिर भी यहां के हर नाले और हर सीवर लाइन का पानी अंततः उसी गंगा नदी में जाकर मिलता है। नदी विज्ञान की भाषा में इसे 'बेसिन' कहा जाता है और सच्चाई यह है कि गंगा तभी स्वच्छ रह सकती है, जब उसका पूरा बेसिन स्वच्छ होगा। मिशन ने कहा, ''यदि गंगा के तट पर बसे शहरों का तो सौंदर्यीकरण कर दिया जाए, लेकिन बेसिन के अन्य शहरों की उपेक्षा की जाए, तो प्रदूषण अंततः घूम-फिरकर नदी तक पहुंच ही जाएगा। यही कारण है कि नमामि गंगे' पहल मेरठ तक पहुंची।'' एनएमसीजी के अनुसार, तेजी से हुए शहरीकरण के बीच मेरठ कई दशकों से सीमित सीवर नेटवर्क की समस्या से जूझ रहा था और शहर का अपशिष्ट जल प्रबंधन बढ़ती आबादी और विस्तार की गति के अनुरूप विकसित नहीं हो सका। इस चुनौती से निपटने के लिए 2020 में 691 करोड़ रुपये की लागत वाली सीवर परियोजना को मंजूरी दी गई। परियोजना का निर्माण कार्य 2024 में शुरू हुआ व अभी जारी है। परियोजना के तहत प्रतिदिन 220 मिलियन लीटर (220 एमएलडी) अपशिष्ट शोधन क्षमता विकसित करने, आधुनिक सीवर शोधन संयंत्र स्थापित करने, व्यापक सीवर नेटवर्क तैयार करने, वैज्ञानिक तरीके से अपशिष्ट जल का प्रबंधन करने तथा उपचारित जल के पुन: उपयोग को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। एनएमसीजी ने कहा कि शहर के अधिक से अधिक क्षेत्रों को सीवर नेटवर्क से जोड़कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मेरठ का अपशिष्ट जल बिना शोधन के गंगा नदी तंत्र में न पहुंचे।

भारतीय नौसेना कोच्चि में 'ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस 26-2' आयोजित करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। भारतीय नौसेना 20 से 23 जुलाई तक कोच्चि स्थित दक्षिणी कमान में 'ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस 26-2' का आयोजन करेगी। रक्षा प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि चार दिवसीय बहुराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भारतीय नौसेना के नेतृत्व वाले कंबाइंड टास्क फोर्स-154 (सीटीएफ-154) के तत्वावधान में किया जाएगा। रक्षा प्रवक्ता के बयान के अनुसार, इस कार्यक्रम में कंबाइंड मैरीटाइम फोर्सेज (सीएमएफ) के साझेदार देशों के कर्मी हिस्सा लेंगे। उन्हें समुद्री सुरक्षा से जुड़े क्षेत्रों में प्रशिक्षण, व्यावहारिक अनुभव और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान का अवसर मिलेगा। बयान में कहा गया है कि 40 से अधिक देशों की बहुराष्ट्रीय समुद्री साझेदारी कंबाइंड मैरीटाइम फोर्सेज के साथ अपने जुड़ाव के माध्यम से भारतीय नौसेना क्षेत्रीय क्षमता निर्माण और सामूहिक समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में लगातार योगदान दे रही है। बयान के अनुसार, कार्यक्रम में कक्षा आधारित प्रशिक्षण, सिम्युलेटर' आधारित प्रशिक्षण और व्यावहारिक अभ्यास शामिल होंगे। इसमें समुद्री कानून, समुद्री क्षेत्र जागरूकता एवं सूचना साझा करना, मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान, बल सुरक्षा, मानवरहित समुद्री प्रणालियों जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे। रक्षा प्रवक्ता के अनुसार, प्रतिभागियों को आपात स्थिति से निपटने एवं अग्निशमन, समुद्री संचार, समुद्र में जीवित रहने की तकनीक, जहाज पर चढ़ने की प्रक्रिया आदि के साथ ही भारतीय नौसेना के एक पोत पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

विहिप ने हैदराबाद के स्कूल में 'धीरे-धीरे धर्मांतरण' का लगाया आरोप, कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बृहस्पतिवार को हैदराबाद के एक निजी स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, जहां दूसरी कक्षा के हिंदू छात्र को एक शिक्षक ने कथित तौर पर इस्लामी आयत याद करने के लिए कहा था। विहिप ने इस घटना को बच्चों के सुनियोजित रूप से धीरे धीरे किए जा रहे 'धर्मांतरण' का मामला बताया। हैदराबाद के निजी स्कूल में दूसरी कक्षा के छात्र के अभिभावक द्वारा यह आरोप लगाए जाने के बाद विवाद पैदा हो गया कि उनके छह वर्षीय बेटे को गृहकार्य के रूप में एक इस्लामी आयत याद करने के लिए कहा गया था।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि स्कूल किसी विशेष धर्म की शिक्षा थोपने का माध्यम नहीं हो सकते। उन्होंने इस मामले में कथित रूप से दोषी स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बंसल ने पोस्ट में कहा, ''स्कूल ज्ञान के मंदिर हैं, न कि धार्मिक शिक्षा, कलमा या ऐसे किसी एजेंडे को थोपने के केंद्र। भाग्यनगर (हैदराबाद) में दूसरी कक्षा के एक मासूम छात्र को कलमा सिखाने की घटना बच्चों के संवैधानिक अधिकारों और अभिभावकों के विश्वास पर सीधा हमला है। दोषी स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।'' उन्होंने सवाल उठाया, ''कोई शिक्षक और स्कूल प्रबंधन किसी हिंदू छात्र को कलमा और फातिहा पढ़ने का निर्देश कैसे दे सकते हैं?'' बंसल ने आरोप लगाया कि जब अभिभावक ने मुद्दा उठाया तो स्कूल ने उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया। छात्र के अभिभावक स्कूल पहुंचे और अधिकारियों से सवाल किया। वे मांग कर रहे हैं कि स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने दावा किया, ''यह सुनियोजित रूप से हमारे बच्चों के धीरे-धीरे धर्मांतरण का स्पष्ट मामला है।''

रथयात्रा के अहमदाबाद के सरसपुर पहुंचने पर भोज की परंपरा को बरकरार रखा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद में बृहस्पतिवार को जगन्नाथ रथ यात्रा के 'सरसपुर के पोल' या स्थानीय इलाकों में पहुंचने के बाद, हजारों श्रद्धालुओं और धर्मगुरुओं के लिए पारंपरिक भोज का आयोजन किया गया। सरसपुर को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का ननिहाल माना जाता है।

अखाड़ों और झांकियों में शामिल लोगों के साथ-साथ हजारों श्रद्धालु लिम्बडा पोल, कड़ियावाड, गांधी नी पोल, लुहार शेरी, वणियावाड, वासन शेरी, ठाकोरवास, पंचवाड और अम्बलीवाड जैसे इलाकों में पहुंचे, जहां रहने वाले लोगों ने जाति-धर्म का भेदभाव किए बिना सभी को खाना खिलाने की सदियों पुरानी परंपरा को जिंदा रखा।

आयोजक लक्ष्मणदासजी महाराज ने कहा, मोटा वासन नी शेरी में 100 से ज्यादा वर्ष से लगभग 5,000 भक्तों और संतों के लिए भोज का आयोजन किया जाता रहा है। सरसपुर को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का ननिहाल माना जाता है। हर साल, यहां के निवासी बड़े उत्साह और गर्मजोशी से देवी-देवताओं का स्वागत करते हैं।'' पंचवाड पोल के निवासियों ने बताया कि यह परंपरा चार पीढ़ियों से चली आ रही है।

आयोजक प्रकाश जोटानी ने कहा, पोल के लोग पिछले चार-पांच दिनों से खाना तैयार कर रहे हैं। लगभग 500 किलो बूंदी, 200 किलो आलू की सब्जी और 200 किलो गेहूं के आटे से बनी पूरियां तैयार की गई हैं।

इस भोज में 2,500 से ज्यादा श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजक प्रवीण पटेल ने बताया कि लुहार शेरी के निवासी पिछले 49 वर्षों से सामुदायिक भोज का आयोजन कर रहे हैं और यहां 15,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं को दोपहर का भोजन परोसा जाता है। उन्होंने बताया कि खाना बनाने में लगभग 200 निवासियों ने हिस्सा लिया, इसके लिए 1,000 किलो आलू की सब्जी, पूरियां और 1,500 किलो मोहनथाल की जरूरत पड़ी। आयोजक नित्यानंद महाराज ने बताया कि अम्बलीवाड में 15,000-16,000 श्रद्धालुओं के लिए भोजन तैयार किया जा रहा था, जहां 81 सालों से यह परंपरा निभाई जा रही है।

केरल के मुख्यमंत्री ने 30 करोड़ रुपये के पहले इनाम वाली ओणम बंपर लॉटरी का उद्घाटन किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने बृहस्पतिवार को ओणम बंपर लॉटरी का उद्घाटन किया, जिसमें पहला इनाम 30 करोड़ रुपये का है। मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह के दौरान लॉटरी का उद्घाटन किया गया। सतीशन ने 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि लॉटरी विभाग के इतिहास में पहली बार पहले इनाम की राशि 30 करोड़ रुपये रखी गई है। उन्होंने बताया कि बंपर लॉटरी के टिकटों की बिक्री 20 जुलाई से शुरू होगी। पिछले वर्ष ओणम बंपर लॉटरी में पहले इनाम की राशि 25 करोड़ रुपये थी।

राज्यपाल ने उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कर स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने बृहस्पतिवार को हैदराबाद में उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के आवास पर उनसे मुलाकात की और हाल ही में दाहिने कंधे की सर्जरी होने के बाद उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल ने उन्हें डॉक्टरों की सलाह का पालन करने को कहा और उनके जल्द पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना की। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, नजीर ने हैदराबाद में कल्याण के आवास पर उनसे मुलाकात की और हाल ही में दाहिने कंधे की सर्जरी होने के बाद उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। कल्याण ने राज्यपाल को उनके आवास पर आने और स्वास्थ्य के बारे में पूछने के लिए धन्यवाद दिया।

प्रियंका गांधी का निजी सचिव बनकर केरल के सांसदों व विधायक को ठगने की कोशिश, मामला दर्ज

कोझिकोड (केरल)/भाषा। साइबर ठगी के एक मामले में जालसाज ने वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा का निजी सचिव बनकर केरल के कुछ सांसदों और एक विधायक से धन की मांग कर उन्हें ठगने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रियंका गांधी के निजी सचिव डी. एस. राजकुमार द्वारा राज्य पुलिस प्रमुख और वायनाड के पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने खुद को प्रियंका गांधी का निजी सचिव बता एलाथुर की विधायक के. विद्या बालकृष्णन व कांग्रेस सांसद शफी परम्बिल व डीन कुरियाकोस से संपर्क किया। राजकुमार ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उनकी पहचान व सांसदों के कार्यालय के नाम का दुरुपयोग करते हुए जनप्रतिनिधियों से धन की मांग कर उन्हें ठगने का प्रयास किया।

गुरुवयूर में रेफ्रिजरेटर में विस्फोट, बुजुर्ग दंपति अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुवयूर/भाषा। केरल के गुरुवयूर में एक घर में रेफ्रिजरेटर में विस्फोट होने से पहले, उससे निकले धुएं के कारण एक बुजुर्ग दंपति की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अग्निशमन एवं बचाव सेवा के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि रेफ्रिजरेटर में विस्फोट से मकान को आंशिक नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार रात करीब साढ़े 11 बजे 70 वर्षीय कुट्टप्पन के घर में हुई।

अधिकारियों के अनुसार, रात करीब 11 बजे जब घर में घना धुआं फैलने लगा, उस समय घर में केवल कुट्टप्पन और उनकी पत्नी ही मौजूद थे। सांस लेने में तकलीफ होने पर दंपति ने पड़ोसियों को मदद के लिए बुलाया। अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी तुरंत घर पहुंचे और दंपति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

करीब 10 मिनट बाद रेफ्रिजरेटर तेज धमाके के साथ फट गया। उन्होंने बताया कि विस्फोट के असर से मकान में दरारें पड़ गईं और खिड़कियों के शीशे टूट गए। रेफ्रिजरेटर आग में पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। अग्निशमन एवं बचाव सेवा के अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए रेफ्रिजरेटर की जांच की जा रही है।

प्रधान ने गोवर्धन मठ में पुरी शंकराचार्य से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा के पुरी स्थित गोवर्धन मठ का दौरा किया और रथ यात्रा के अवसर पर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती का आशीर्वाद लिया। इस दौरान प्रधान के साथ राज्य के मंत्री कृष्ण चंद्र महापात्र और सूर्यवंशी सूरज भी मौजूद थे।

तीनों ने गोवर्धन मठ का दौरा किया। प्रधान ने आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठों में से एक गोवर्धन मठ के दर्शन के बाद कहा, रथ यात्रा के दिन गुरुजी (शंकराचार्य) का आशीर्वाद प्राप्त कर मैं स्वयं को धन्य महसूस कर रहा हूं। अधिकारी ने बताया कि विस्तृत जांच के बाद ही घटना के सही कारणों और इसमें किसी की लापरवाही थी या नहीं, इसका पता चल सकेगा।

प्रधान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पवित्र रथ यात्रा के शुभ अवसर पर मुझे श्री गोवर्धन मठ, पुरी के पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य जी के श्रीचरणों में प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। सनातन परंपरा और श्रीजगन्नाथ संस्कृति के इस महान आध्यात्मिक केंद्र में उपस्थित होकर मेरा हृदय भक्ति, शांति और आनंद से अभिभूत है। प्रधान ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें वह स्वामी निश्चलानंद सरस्वती का आशीर्वाद लेते नजर आ रहे हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने भी रथ यात्रा से पहले गोवर्धन मठ जाकर पुरी के शंकराचार्य का आशीर्वाद लिया। माझी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आज श्री गोवर्धन मठ में मुझे परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, उनका मार्गदर्शन राज्य के लोगों की निरंतर सेवा के लिए नई ऊर्जा और दृढ़ संकल्प का संचार करता है। उन्होंने कहा, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की रक्षा, मानवीय मूल्यों की स्थापना और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए परम पूज्य शंकराचार्य जी का अमूल्य जीवन, दर्शन और मार्गदर्शन हमेशा एक प्रकाश स्तंभ की तरह कार्य करता है।

उम्रदराज और असाध्य रोग से पीड़ित कैदियों की शीघ्र रिहाई के लिए नीति बनाएं : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे उम्रदराज अथवा असाध्य बीमारी से पीड़ित कैदियों की शीघ्र या समयपूर्व रिहाई के लिए तीन महीने के भीतर एक व्यापक नीति तैयार करें।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि इस नीति में रिहाई पर विचार के लिए पात्रता के मानदंड और प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। विशेष रूप से, इसमें ''असाध्य रोग'' की स्पष्ट और एक समान परिभाषा दी जानी चाहिए। पीठ ने यह फैसला राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की उस याचिका पर सुनाया, जिसमें 70 वर्ष से अधिक आयु के तथा असाध्य बीमारी से पीड़ित कैदियों को जमानत पर रिहा करने का अनुरोध किया गया था।

निर्णय सुनाते हुए न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने कहा, सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इस निर्णय की तिथि से तीन महीने के भीतर उम्रदराज और/या असाध्य बीमारी से पीड़ित कैदियों की शीघ्र अथवा समयपूर्व रिहाई के लिए एक व्यापक नीति तैयार कर उसे अधिसूचित करें।

पीठ ने कहा कि यह नीति संबंधित राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों से परामर्श कर तैयार की जानी चाहिए, ताकि संस्थागत समन्वय सुनिश्चित हो और पात्र कैदियों की प्रभावी पहचान की जा सके।

केतन हत्याकांड की आरोपी सिया के परिवार को दुकान बंद करने का नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्राधिकरण (एफडीए) ने पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या से जुड़े मामले की आरोपी सिया गोयल के परिवार को नोटिस जारी कर नियमों के कथित उल्लंघन के लिए मेवों और मसालों की दुकान का संचालन बंद करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वहीं, सिया के पिता प्रवीण गोयल ने बातचीत में आरोप लगाया कि उन्हें और उनके परिवार को बेवजह परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह केतन हत्याकांड की जांच में सहयोग कर रहे हैं। गोयल ने कहा कि अगर उनकी बेटी मामले में दोषी पाई जाती है, तो उसे मौत की सजा मिलनी चाहिए। सिया (20) पर मंगेतर केतन (25) को प्रेमी चेतन चौधरी (22) के साथ मिलकर 18 जून को पुणे के लोहागढ़ किले की पहाड़ी से खाई में धकेलने का आरोप है, जिससे उनकी मौत हो गई। पुणे शहर के बीचों-बीच मार्केट यार्ड में स्थित मेवों और मसालों की जिस दुकान को नोटिस जारी किया गया है, उसका संचालन एम/एस बीजी गोयल एंड कंपनी करती है। इस कंपनी का मलिकाना हक सिया के परिवार के पास है। अधिकारियों ने बताया कि एफडीए के निरीक्षण में कंपनी के खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं किए जाने की बात सामने आने के बाद दुकान का संचालन अगले आदेश तक बंद करने का निर्देश दिया है। एफडीए के मुताबिक, उसके अधिकारियों ने दुकान का निरीक्षण किया और 'संत' तथा 'साधु' ब्रांड के हल्दी पाउडर, तिल और सोयाबीन बड़ी सहित खाद्य पदार्थों के चार नमूने जांच के लिए एकत्र किए। उसने बताया कि उत्पादों की लेबलिंग में कथित अनियमितता और मिलावट की आशंका के चलते इन उत्पादों का 4,172 किलोग्राम स्टॉक भी जब्त कर लिया, जिसकी कीमत लगभग 8.14 लाख रुपये है।

राकांपा मंत्री बोले : महाराष्ट्र चाहता है कोई मराठी बने प्रधानमंत्री; फडणवीस को बताया सही उम्मीदवार

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता दत्तात्रेय भरणे ने कहा है कि राज्य के लोग चाहते हैं कि कोई मराठी व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बने। उन्होंने यह भी कहा कि इस बड़े पद के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उनकी पसंद हैं। भरणे ने बुधवार शाम यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि महाराष्ट्र लंबे समय से यह चाहता रहा है कि उसकी मिट्टी का कोई नेता प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा, ''हर कोई जानता है कि महाराष्ट्र इस बात का इंतज़ार कर रहा है कि कोई मराठी व्यक्ति प्रधानमंत्री बने। यह महाराष्ट्र के लोगों की इच्छा है। पहले, राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण यह मौका चूक गए थे। बाद में, शरद पवार साहब भी प्रधानमंत्री नहीं बन पाए।''

भरणे ने भविष्य में किसी मराठी के भी देश के सर्वोच्च कार्यकारी पद पर बैठने को लेकर भरोसा जताते हुए कहा, ''मुझे यकीन है कि 2029 या 2034 में कोई मराठी देश का शासनाध्यक्ष बनेगा। यह राज्य के लोगों और किसानों की सामूहिक इच्छा है।'' जब उनसे पूछा कि उनके हिसाब से महाराष्ट्र से कौन प्रधानमंत्री बन सकता है, तो उन्होंने जवाब दिया, ''वह देवेंद्र फडणवीस (हो सकते) हैं।''

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन बहु-आयामी सुरक्षा प्रणालियों से लैस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारत में हाइड्रोजन से चलने वाली पहली ट्रेन बहु-आयामी सुरक्षा प्रणाली से लैस है, जो हाइड्रोजन रिसाव, गर्मी, आग की लपटों और धुएं का पता लगाने में सक्षम हैं।

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर हाइड्रोजन ट्रेन को रवाना करेंगे। ट्रेन जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशन के बीच चलेगी। पारंपरिक इलेक्ट्रिक ट्रेन के मुकाबले यह ट्रेन 'हाइड्रोजन फ्यूल सेल' तकनीक से चलती है, जो ट्रेन को आगे बढ़ाने के लिए हाइड्रोजन को बिजली में बदलती है। इस प्रक्रिया में अवशेष के तौर पर सिर्फ जल-वाष्प निकलती है, जिसके दौरान कार्बन का उत्सर्जन बिल्कुल नहीं होता है। बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, ''एक तरह से, यह ट्रेन अपनी ऊर्जा खुद पैदा करती है, ठीक वैसे ही जैसे पहले भाप और डीजल इंजन करते थे। हालांकि, कोयले या डीजल जैसे पारंपरिक ईंधन को जलाने के बजाय, यह ट्रेन हवा से ऑक्सीजन लेकर बिजली बनाती है, जिससे न तो कोई दहन होता है और न ही इसे बाहरी बिजली आपूर्ति पर निर्भर रहना पड़ता है।'' चूंकि इस ट्रेन में ही स्वच्छ-हाइड्रोजन तकनीक से बिजली बनाई जाती है, इसलिए यह ट्रेन संचालन का सबसे पर्यावरण-अनुकूल रूप है। बयान में कहा गया, इस आधुनिक प्रणोदन प्रणाली के साथ, भारत ने ट्रेन में बहु-आयामी सुरक्षा प्रणाली भी लगायी है जो हाइड्रोजन रिसाव, गर्मी, आग की लपटों और धुएं का पता लगाने में सक्षम हैं। जींद-सोनीपत खंड पर 75 किमी. प्रति घंटे की परिचालन गति और 110 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति के साथ, यह ट्रेन न केवल सुरक्षित है बल्कि 89 किलोमीटर के इस मार्ग पर सबसे तेज सफर पूरा करेगी। हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन वैश्विक स्तर पर अभी प्रारंभिक चरण में हैं। जर्मनी व्यावसायिक हाइड्रोजन यात्री ट्रेनों को शुरू करने वाला पहला देश बन गया है, जबकि फ्रांस, इटली, चीन, जापान और कुछ अन्य देश प्रायोगिक परियोजनाओं या सीमित परिचालन पर काम कर रहे हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने शासन व्यवस्था को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बृहस्पतिवार को भ्रष्टाचार-मुक्त शासन देने का संकल्प जताया और कहा कि प्रशासन ईमानदारी के साथ काम करेगा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। मई में मुख्यमंत्री बनने के बाद से दूसरी कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रियों को भ्रष्टाचार के प्रति आगाह किया और कहा कि दागी मंत्री को पद से हटा दिया जाएगा।

उन्होंने दोहराया कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। कानून मंत्री आर. निर्मल कुमार ने मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार रोधी रुख का हवाला देते हुए पत्रकारों से कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है। सूत्रों के अनुसार, हालांकि मंत्रिमंडल की बैठक का मुख्य उद्देश्य नीति निर्माण, विधायी प्रस्तावों पर चर्चा और राज्य प्रशासन से जुड़े फैसले लेना होता है, लेकिन भ्रष्टाचार का मुद्दा भी इसकी चर्चा के दायरे में आता है। इससे पहले सरकार ने रिश्वतखोरी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए 9898180936 नंबर पर एक विशेष व्हाट्सऐप हेल्पलाइन शुरू की थी। दस जुलाई को करूर में आयोजित एक बैठक में विजय ने लोगों से भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने की अपील करते हुए कहा था कि वे रिश्वत देने से इनकार करें।

चेन्नई में गुरुवार को दूसरी कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय।

उन्होंने कहा, अगर कोई आपसे रिश्वत मांगे, तो इनकार कर दीजिए। मैं आपके साथ हूं। उनसे कहिए कि हमारा बेटा, हमारा भाई विजय ही राज्य चला रहा है। यह बात पूरे आत्मविश्वास के साथ कहिए।

सचिवालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कुमार ने कहा, इस सरकार में कहीं भी 'परसेंटेज' (रिश्वत) जैसी कोई व्यवस्था नहीं है। अगर कोई इसका उल्लंघन करता है और गलती करता है तथा इसकी जानकारी सरकार को मिलती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री ने कई मुद्दों पर चर्चा की जिनमें जनकल्याणकारी योजनाएं, आगामी बजट में शामिल की जाने वाली घोषणाएं, नई औद्योगिक परियोजनाएं, विभिन्न विभागों की योजनाएं व प्रस्ताव तथा टीवीके के विज़न दस्तावेज़ में किए गए चुनावी वादों को लागू करने की रूपरेखा शामिल है।

तमिलनाडु चुनाव याचिकाओं के शीघ्र निस्तारण की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से न्यायालय का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को मद्रास उच्च न्यायालय को 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से संबंधित 54 चुनाव याचिकाओं का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश देने के अनुरोध वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

अभिनेता से नेता बने सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने इस वर्ष 23 अप्रैल को हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता के. वेंकटचलपति की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डी. एस. नायडू ने दलील दी कि मद्रास उच्च न्यायालय को चुनाव याचिकाओं के समयबद्ध निस्तारण के लिए एक विशेष पीठ गठित करने का निर्देश दिया जाए।

इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''इससे एक गलत नजीर स्थापित होगी।'' इसके साथ ही पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। बहरहाल, पीठ ने याचिकाकर्ता को आवश्यक राहत के लिए मद्रास उच्च न्यायालय का रुख करने की छूट प्रदान की। अधिवक्ता समीर मलिक के माध्यम से दायर याचिका में अनुरोध किया गया था कि मद्रास उच्च न्यायालय में लंबित तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से संबंधित 54 चुनाव याचिकाओं का छह महीने की समय-सीमा के भीतर निस्तारण करने का निर्देश दिया जाए। याचिका में कहा गया था कि यह अवधि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (आरपीए) की धारा 86(7) में निर्धारित है या फिर न्यायालय जिस अवधि को उचित समझे, उसके भीतर इन याचिकाओं का निपटारा कराया जाए।

याचिका में कहा गया कि तीन जून से 18 जून के बीच दायर इन चुनाव याचिकाओं में चार मई को घोषित तमिलनाडु विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव परिणामों की वैधता को चुनौती दी गई है।

याचिका के अनुसार, इन विवादों के लंबे समय तक लंबित रहने से जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के पीछे की विधायी मंशा विफल हो जाती है।

एक बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न का आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। कोयंबटूर में थोंडामुथुर के पास चार साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के आरोप में एक सरकारी बस चालक (36) को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शंकर नाम के आरोपी पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना 14 जुलाई को हुई जब शंकर ने अकेले खेल रही बच्ची को बहला-फुसलाकर बुलाया और उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। बाद में बच्ची ने अपने माता-पिता को इस घटना के बारे में बताया, जिसके बाद उन्होंने औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई। शंकर को जेल भेज दिया गया।

साउथ इंडियन बैंक का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 17% बढ़ा

चेन्नई/नई दिल्ली। साउथ इंडियन बैंक का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत बढ़कर 378 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसे 322 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। निजी क्षेत्र के बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि जून, 2026 तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 3,007 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,984 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 2,628 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,362 करोड़ रुपये थी। हालांकि, बैंक का परिचालन लाभ घटकर 592 करोड़ रुपये रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 672 करोड़ रुपये था। परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक का प्रदर्शन बेहतर रहा। जून तिमाही के अंत में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर कुल अग्रिम का 1.38 प्रतिशत रह गईं, जो एक साल पहले 3.15 प्रतिशत थीं। जून तिमाही में बैंक का शुद्ध एनपीए भी घटकर 0.26 प्रतिशत रह गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 0.68 प्रतिशत था।

न्यायिक हिरासत में विचाराधीन कैदी की मौत पर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

परिजनों का रातभर प्रदर्शन : विपक्ष ने तमिलनाडु सरकार को घेरा

नागरकोइल। यहां उप-जेल में विचाराधीन कैदी एस. सबरी वर्मन की मौत के बाद उनके परिजनों ने दूसरे पोस्टमार्टम और स्वतंत्र जांच की मांग को लेकर सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के बाहर रातभर प्रदर्शन किया। वहीं, विपक्षी दलों ने इस मामले को लेकर तमिलनाडु सरकार की आलोचना की है। दिव्यांग दुकानदार सबरी वर्मन (35) की 13 जुलाई को न्यायिक हिरासत में कथित तौर पर मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनके शरीर पर हाथों और पैरों सहित 19 चोटों के निशान मिलने के बाद पुलिस ने जेल के मुख्य वार्डन समेत तीन जेल कर्मियों को गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस प्रकरण में जेल में बंद आठ सह-कैदियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि जेल कर्मियों की गिरफ्तारी सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर की गई। मृतक के परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया है और वे यहां असरिपल्लम स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के बाहर दूसरे पोस्टमार्टम और स्वतंत्र जांच की मांग को लेकर रातभर धरने पर बैठे रहे। इस घटना को लेकर विपक्षी दलों ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सांसद कनिमोझी ने बुधवार रात पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और मामले से निपटने के तरीके को लेकर पुलिस तथा सरकार की आलोचना की।

नागरकोइल उप-जेल में ''कथित पुलिस बर्बरता'' पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कनिमोझी ने कहा, हिरासत में हुई इस मौत के तीन दिन बाद भी मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की ओर से कोई स्पष्टीकरण या बयान नहीं आया है।'' उन्होंने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''कोई मंत्री भी पीड़ित परिवार से मिलने नहीं गया। सरकार ने प्रभावित परिवार को राहत देने की भी पहल नहीं की। हमेशा की तरह टीवीके सरकार जिम्मेदारी लेने के बजाय केवल तमाशबीन बनी हुई है।'' पुलिस अधिकारी के अनुसार, 13 जुलाई की मध्यरात्रि करीब 12 बजे अधिक शोर मचाने को लेकर सह-कैदियों ने बैरक में सबरी वर्मन की कथित तौर पर पिटाई की। इसके बाद हस्तक्षेप करने पहुंचे जेल कर्मियों ने भी उनके साथ मारपीट की। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने इसे ''भयावह घटना'' बताते हुए दावा किया कि राज्य में हिरासत में मौत की घटनाएं जारी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को राज्य में कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए कदम उठाने चाहिए। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक आर. चेल्लास्वामी ने कहा कि मृतक के परिजनों ने उन्हें बताया है कि वे पोस्टमार्टम रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हैं और दूसरे पोस्टमार्टम की मांग कर रहे हैं। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के नेता डॉ. अंबुमणि रामदास ने मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की। पुलिस के अनुसार, थेंथामरैकुलम पुलिस ने नौ जुलाई को प्रतिबंधित गुटखा बेचने के आरोप में सबरी वर्मन को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि उनकी दुकान से लगभग 200 ग्राम प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद बरामद किए गए थे।

सभी आरोपियों की गिरफ्तारी होगी : कारागार मंत्री

चेन्नई। तमिलनाडु के कारागार मंत्री आर. निर्मल कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार ने हिरासत में होने वाली मौतों के मामले में कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई है और दोषियों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कानूनी कार्रवाई का वादा किया है। मंत्री ने कहा, ''जो कोई भी इसमें संलिप्त है, उसे 100 प्रतिशत गिरफ्तार किया जाएगा। यह सरकार किसी भी गलत काम को बर्दाश्त या उसका समर्थन नहीं करती है।'' कुमार यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में नागरकोइल में हाल ही में हिरासत में हुई मौत से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। मंत्री ने रेखांकित किया कि पुलिस विभाग की ओर से पूरी तरह से स्वतंत्र जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जेल या पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों पर कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कुमार ने कहा,मामले में पहले ही सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू हो चुकी है। दो दिन पहले ही प्राथमिकी दर्ज की गई थी और इसमें संलिप्त जेलर और वार्डन को गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्वाति पांडे बनी कर्नाटक सर्कल की मुख्य पोस्टमास्टर जनरल

बेंगलूरु। यहां स्वाति पांडे ने 10 जुलाई से कर्नाटक सर्कल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल (बैंगलोर) का चार्ज संभाल लिया है। वर्ष1997 बैच की इंडियन पोस्टल सर्विस (आईपीओएस) के पास इंडियन सिविल सर्विस में अट्ठाईस साल से ज़्यादा का शानदार और लंबा सर्विस अनुभव है। उन्होंने एडमिनिस्ट्रेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, एविएशन, हेरिटेज कंज़र्वेशन और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के फील्ड में कई ज़रूरी लीडरशिप पोजीशन संभाली हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा आमन्त्रण सूचना
मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा सूचना सं०:** 107 of 2026-27; **कार्य का नाम व स्थान:** Replacement of 0.61 mt. multiple span bridges (16 nos bridges) by RCC box bridge in KQW-SWF section in the Jurisdiction of Sr.DEN/Centra; **अनुमानित लागत रूपये:** 5,14,58,277.59; **बयाने की राशि रूपये:** 10,29,200.00; निविदा सूचना संख्या 107of2026-27 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 03.08.2026 को 15:00 बजे तक है। वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है www.ireps.gov.in
1018-AM/26
हमें /NWRailways पर फॉलो करें

तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की लगातार बिगड़ती स्थिति 'खतरनाक': भाकपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड (तमिलनाडु)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के सांसद के. सुब्बारायण ने बृहस्पतिवार को तमिलनाडु की कानून-व्यवस्था पर चिंता जताते हुए टीवीके सरकार से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की अपील की। सुब्बारायण ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि किसी नयी सरकार का पूरी तरह आकलन करने के लिए दो महीने का समय पर्याप्त नहीं होता, लेकिन कानून-व्यवस्था से जुड़ी घटनाओं में लगातार हो रही बढ़ोतरी खतरनाक है। उन्होंने कहा, टीवीके ने चुनाव प्रचार के दौरान ऐसी घटनाओं का कड़ा विरोध करते हुए अपनी बात जनता के सामने रखी थी। इसलिए टीवीके सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, इन घटनाओं में कमी आने के बजाय लगातार बढ़ोतरी होना खतरनाक है और हम इस स्थिति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

कर्नाटक में मंत्रिमंडल विस्तार विधानसभा सत्र से पहले होने की उम्मीद : कांग्रेस

गुरुवार को नई दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो राहुल गांधी के घर पर हुई बैठक में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उनके साथ राज्य के प्रभारी -एआईसीसी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और केपीसीसी के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने भाग लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले मंत्रिमंडल का विस्तार होने की उम्मीद है। विधानसभा का आगामी सत्र छह अगस्त से प्रस्तावित है। सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य मंत्रिमंडल में 20 पद रिक्त हैं और कोशिश रहेगी कि अधिक से अधिक, बल्कि सभी रिक्तियां भर दी जाएं।

सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य सिद्दरामय्या, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद, राज्य के कई मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता बृहस्पतिवार को दिल्ली पहुंचे। शिवकुमार और सिद्दरामय्या ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की है और संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के साथ भी उनकी बैठक हुई है।

सुरजेवाला ने कहा, ''चर्चाएं अभी शुरू हुई हैं। मैं अभी कोई निश्चित तारीख नहीं बता सकता। फिलहाल इतना ही कहा जा सकता है कि यह प्रारंभिक स्तर की चर्चा है। कर्नाटक मंत्रिमंडल का विस्तार बहुत जल्द होगा।'' उन्होंने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल में 20 पद रिक्त हैं और विधानसभा अध्यक्ष का पद भी खाली है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, परामर्श की प्रक्रिया पूरी होने दीजिए। चर्चा पूरी होने के बाद ही कुछ निश्चित कहा जा सकता है। हमारा प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक, बल्कि सभी रिक्तियां भरी जाएं। मुझे उम्मीद है कि विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले मंत्रिमंडल का गठन पूरा कर लिया जाएगा। शिवकुमार ने तीन जून को मुख्यमंत्री पद और 13 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली थी। इससे पहले 28 मई को सिद्दरामय्या ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था।

कर्नाटक मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम मंत्रियों की संख्या 34 हो सकती है। अभी की स्थिति के अनुसार 20 मंत्री बनाए जा सकते हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई निविदा
भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से उप मुख्य अभियन्ता निर्माण, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित इलेक्ट्रोनिक फॉर्मेट पर ऑन लाइन खुली ई-निविदा (दो पैकेट प्रणाली) आमंत्रित करते है। 1. **निविदा सूचना संख्या:** उपरे-एससी-बीकेएन-02-2026-27-ईपीसी; 2. **कार्य का नाम स्थान सहित:** उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर रेलवे स्टेशन का ईपीसी मोड पर प्रमुख उन्नयन का कार्य; 3. **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 455,24,83,844.05; 4. **जमा की जाने वाली बिड सिक्यूरिटी:** रु. 9,10,49,700.00; 5. **निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की दिनांक:** दिनांक 14.08.2026 को 15.00 बजे तक; 6. **प्री बिड कॉन्फ्रेंस की दिनांक समय व स्थान:** प्री बिड कॉन्फ्रेंस की दिनांक 23.07.2026 प्री बिड का समय 11.30 बजे AM प्री बिड का स्थान: मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मुख्यालय उत्तर-पश्चिम रेलवे, जगतपुरा, जयपुर (राजस्थान); 7. **वेबसाइट का विवरण जहाँ पर ई निविदा देखी जा सकती है।** **www.ireps.gov.in; कार्यालय का ई मेल पता: dycecbkn@gmail.com;** **नोट:** 1. कोई भी निविदा व्यक्तिगत रूप में स्वीकार नहीं की जाएगी। 2. बिड सिक्योरिटी का भुगतान नकद ई पेमेंट गेटवे द्वारा अथवा भारत स्थित किसी Scheduled Commercial Bank द्वारा जारी बैंक गारंटी बॉन्ड अथवा निविदा दस्तावेज़ में उल्लेखित अनुसार किया जाना चाहिए। बैंक गारंटी बॉन्ड वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी निर्माण उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के पक्ष में ही जारी किया जाना चाहिए अन्यथा निविदा मान्य नहीं होगी।
1021-AM/26
हमें /NWRailways पर फॉलो करें

SBI भारतीय स्टेट बैंक
स्थानीय प्रधान कार्यालय, 16, कॉलेज लेन, चेन्नई-600006 | फोन: 044 28308428
जल आधारित फिक्सड़ फायर फाइटिंग सिस्टम जैसे हाइड्रेंट, वेट राइज़र, होस रील, डाउन कोमर, फायर पम्प्स (इलेक्ट्रिक और डीज़ल), स्प्रिंक्लर सिस्टम की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण और कमीशनिंग (एसआईटीसी) और एएमसी हेतु ठेकेदारों का एम्पैनलमेंट।
उपर्युक्त प्रयोजन हेतु एसबीआई चेन्नई मंडल (तमिलनाडु और पुदुचेरी) में स्थित भारतीय स्टेट बैंक की विभिन्न शाखाओं / कार्यालयों के लिए एसबीआई आवेदन आमंत्रित करता है। विवरण और आवेदन डाउनलोड करने के लिए, https://sbi.bank.in/web/sbi-in-the-news/procurement-news विज़िट करें। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 07.08.2026 है।
स्थान: चेन्नई
दिनांक: 17.07.2026
सहायक महाप्रबंधक (परिसर एवं संपदा)

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समूह प्रमुख, इस्ट्रैक, इसरो पीण्या, बेंगलूरु-58 द्वारा समुचित वर्ग के ठेकेदारों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है। (फोन : 080-28094541,4185, 4144)

एनआईटी सं :	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-50/2026-2027 दिनांक : 16.07.2026	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-51/2026-2027 दिनांक : 16.07.2026	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-52/2026-2027 दिनांक : 16.07.2026
कार्य का नाम :	डायरेक्टर ब्लॉक, एससीसी परिसर, इसट्रैक, पीन्या, बेंगलूरु में मौजूदा युपीएस सयंत्र के लिए एलटी पैनल और आइसोलेशन ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध कराना।	आईडीएसएन परिसर, इसट्रैक, ब्यालालु, बेंगलूरु में चिलर के लिए डिस्ट्रीब्यूशन पैनल, टीपीएन डीबी और पैनल में एमसीसीबी की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग।	एमओएक्स परिसर, इसट्रैक, बेंगलूरु में डीएमसीआर, एमओएक्स-1 और सबस्टेशन पर स्मोक डिटेक्टर और ऍफ़एसीपी पैनल बदलना।
निविदा का अनुमानित मूल्य	₹ 21.99 लाख	₹ 19.45 लाख	₹ 23.93 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि, वर्क ऑर्डर जारी होने की तारीख के 15वें दिन से गिनी जाएगी।	04 (चार) माह	05 (पांच) माह	03 (तीन) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	17.07.2026 को 16.00 बजे से 01.08.2026 को 16.00 बजे तक		
बोली स्पष्टीकरण	18.07.2026 को 11.00 बजे से 02.08.2026 को 16.00 बजे तक		
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	03.08.2026 को 16.00 बजे तक		
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	04.08.2026 को 16.00 बजे तक		
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	06.08.2026 को 11.00 बजे से		
अग्रदाय रकम जमा(ईएमडी)	रु. 43,980.00	रु. 38,900.00	रु. 47,860.00

पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट https://www.isro.gov.in/Tenders.html पर टेंडर इनवाइटिंग का विस्तृत द्विभाषी (हिंदी - अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और https://www.tenderwizard.com/isro पर टेंडर फ्री में देख सकते हैं।
ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

चिकित्सा से जुड़ी महान ज्ञान परंपरा का केंद्र रहा है भारत : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि भारत आरम्भ से ही चिकित्सा से जुड़ी महान ज्ञान परंपरा से जुड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां नैतिकता, ईमानदारी खून में रही है। उन्होंने होम्योपैथी को कारगर चिकित्सा पद्धति बताते हुए इसमें अनुसंधान के आदर्श अपनाते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया।

राज्यपाल बागड़े गुरुवार को बिड़ला सभागार में होम्योपैथी विश्वविद्यालय, जयपुर के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लार्ड मैकाले ने भारत की ज्ञान परंपरा से दूर करने के लिए अंग्रेजी शिक्षा पद्धति का देश में प्रसार करवाया। राज्यपाल ने इस मौके पर पुणे के चिकित्सक डॉ. नामदोशी की चर्चा करते हुए कहा कि वह एलोपैथी के चिकित्सक थे परंतु एक बार बीमार पड़े तो होम्योपैथी का इलाज लिया और स्वस्थ हो गए। इसके बाद उन्होंने इस चिकित्सा पद्धति को अपना लिया। उन्होंने कहा कि रोग निदान में जो चिकित्सा कारगर रहे, उसे अपनाने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद पांच हजार सालों से भी पुराना है। विश्वभर में उसका आज प्रचार प्रसार है। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी दवाएं भी आयुर्वेद के कच्चे माल के अंतर्गत वनस्पति, फुल, पत्तों, उनकी जड़ों, खनिज पदार्थों के रस, अर्क से और जहर से तैयार होती है। उन्होंने कहा कि इस पद्धति से जुड़े युवा चिकित्सक स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी में अपना योगदान दें। उन्होंने तुर्की शासक बख्तियार खिलजी द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को जलाने की चर्चा करते हुए कहा कि आयुर्वेद के महान ज्ञान की विरासत को नष्ट करने के लिए उसने पुस्तकालय को आग लगवा दी। जली पुस्तकों की आग तीन महीने तक सुलगती रही।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव ने कहा कि सभी चिकित्सा पद्धतियां मानव को रोगमुक्त ही नहीं करती बल्कि स्वस्थ जीवन जीने का मार्ग बताती है। उन्होंने देश की आयुष पद्धतियां की चर्चा करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर आज भारत पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां में अग्रणी है। उन्होंने होम्योपैथी को विश्व की सर्वाधिक स्वीकार्य पद्धति बताते हुए कहा कि यह व्यक्ति की समग्र चिकित्सा आधारित है। उन्होंने युवा पीढ़ी को अनुसंधान को आदर्श मानते हुए विकसित भारत के मजबूत आधार स्वस्थ भारत के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

पूर्व सांसद और विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. मनोज राजोरिया एवं राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के अध्यक्ष डॉ. तारकेश्वर जैन ने डॉ. गिरेंद्रपाल को स्मरण करते हुए कहा कि होम्योपैथी का विश्व का पहला विश्वविद्यालय उनकी प्रेरणा से राजस्थान में स्थापित हुआ। राज्यपाल और केंद्रीय आयुष मंत्री ने इस अवसर पर दीक्षांत उपाधियाँ प्रदान करने के साथ ही चिकित्सा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया।

नगरपालिका के संविदा कर्मी का पिता 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के पाली जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बृहस्पतिवार को एक नगरपालिका के संविदा कर्मी के पिता को 25 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि सोजत रोड नगरपालिका में संविदा कर्मी के रूप में तैनात युवक के पिता परमानंद शर्मा को रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके रिश्तेदार के नाम के पैतृक भूखंड का पट्टा जारी करने के एवज में आरोपी की ओर से अकाउंटेंट, कनिष्ठ अभियंता और कार्यकारी अधिकारी के नाम से 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है।

उन्होंने बताया कि एसीबी की एक टीम ने शिकायत के सत्यापन के बाद आरोपी को परिवादी से रिश्वत की कथित रकम लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों के अनुसार, परमानंद पहले सोजत रोड पंचायत में तैनात था और सेवानिवृत्त होने के बाद पिछले छह साल दिसंबर तक सोजत रोड नगरपालिका में संविदाकर्मी के रूप में काम कर रहा था। उन्होंने बताया कि 65 साल से अधिक उम्र हो जाने पर परमानंद ने अपने बेटे सुनील शर्मा को सोजत रोड नगरपालिका में संविदा पर लगवा दिया, लेकिन उसकी जगह खुद ही लगातार काम करता रहा। अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

राजस्थान पुलिस का अभियान

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में महिला सुरक्षा संकल्प की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में महिला सुरक्षा संकल्प अभियान अत्यंत प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी निर्देशों के तहत 1 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस राज्यव्यापी अभियान के माध्यम से राजस्थान के सभी पुलिस जिलों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण अभियान के सफल और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कम्युनिटी पुलिसिंग से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता मीना तथा सिविल राइट्स शाखा से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नविता खोखर को राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो सभी जिलों से समन्वय करके गतिविधियां आयोजित करवा रही है।

अभियान के तहत पूरे राजस्थान में जिला स्तर पर एक व्यापक महा-संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 1.5 लाख महिलाओं एवं बालिकाओं की ऐतिहासिक भागीदारी दर्ज की गई। महिला सुरक्षा को समाज का साझा दायित्व बनाने और इस दिशा में धरातल पर असाधारण प्रयास करने वाली 1,588 उत्कृष्ट महिला वॉलंटियर्स को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इनमें वे महिलाएँ शामिल थीं जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा सखी महिला सीएलजी राजीविका आंगनवाड़ी आशा सहयोगिनी छत्रज इत्यादि के रूप में समाज में जागरूकता फैलाने और महिलाओं की समस्याओं के त्वरित समाधान में पुलिस का सहयोग किया है। अभियान के अंतर्गत केवल कागजी जागरूकता नहीं, बल्कि धरातल पर बहुआयामी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं: 1 जुलाई को प्रदेश स्तर पर सम्पर्क सभाओं के माध्यम से पुलिस मशीनरी को महिला अपराधों के प्रति त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई करने हेतु प्रेरित किया गया।

बीट स्कीम, कालिका पेट्रोलिंग एसओपी, पोक्सो एक्ट और नए कानूनों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकीं बालिकाओं, छात्राओं और गृहणियों के साथ ऑनलाइन संवाद स्थापित कर उनके अनुभवों को साझा किया गया। 3000 से 5000 महिला वॉलंटियर्स से संवाद: हर जिला द्वारा 8 जुलाई 2026 को सुरक्षा सखी, राजीविका, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साथिन, और एनसीसी/एनएसएस, छात्राओं जैसी हजारों महिला वॉलंटियर्स के साथ जनसंवाद किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

अभियान को बेहद कड़ा और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए जिला पुलिस अधीक्षकों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत कालिका पेट्रोलिंग यूनिट और एंटी रोमियो स्क्वाड द्वारा सिटी बसों, पर्यटक स्थलों, कॉलेजों, स्कूलों, मॉल्स और पार्कों जैसे हॉटस्पॉट्स पर सादा वस्त्रों में डिकॉय ऑपरेशन चलाकर मनचलों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

22 जुलाई को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालयों में महिला एवं बाल विकास, परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित 15 से अधिक विभागों के साथ अंतर्विभागीय बैठक कर महिला सुरक्षा पर साझा रणनीति बनाई जाएगी।

भाजपा 'छात्रों की गूंज' से डरी हुई है : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से डरी हुई है और उसने कोटा के बाद देहरादून में भी इस कार्यक्रम में विघ्न डालने की कोशिश की। गहलोत ने एक बयान में कहा,लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में उठ रही छात्रों की गूंज से भाजपा सरकार डरी हुई है। जिस प्रकार से पहले कोटा में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर रुकावटें खड़ी की गईं, शिक्षण संस्थानों पर दबाव बनाया गया, अब उत्तराखंड में भी उसी प्रकार विघ्न डालने की कोशिश भाजपा द्वारा की गई।

उन्होंने कहा कि कोटा का कार्यक्रम बेहद सफल रहा था और इसी वजह से भाजपा बौखलाई हुई है। देहरादून में 17 जून को प्रस्तावित कार्यक्रम का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि देहरादून में भी राहुल गांधी से मिलने,उनको सुनने के लिए युवा और विद्यार्थी उत्साहित हैं तथा स्थान बदलने के बावजूद बड़ी संख्या में पंजीकरण करवा रहे हैं।

उन्होंने कहा,भाजपा सरकार की हरकतों को पूरा देश देख रहा है, छात्रों में बहुत आक्रोश है लेकिन फिर भी सरकार आमजन के मनोभाव को नहीं समझ रही है। गहलोत ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर उत्पन्न हुई चिंताओं से सरकार का ध्यान आकृष्ट कर रहा है, भाजपा सरकार द्वारा युवाओं को इस प्रकार से उकसाया जाना बिल्कुल ही अनावश्यक था। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के अनुसार,देहरादून से उठने वाली यह गूंज दिल्ली में बैठे हुक्मरानों के कानों में गूंजेगी।

डी-रेगुलेशन सुधारों से निवेश, व्यापार सुगमता और सुशासन को मिली नई गति : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरूवार को शासन सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जर्मनी के पॉट्सडैम विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान, प्रशासन एवं संगठन विभाग की प्रोफेसर डॉ. सबाइन कुहलमैन को राजस्थान में डी-रेगुलेशन एण्ड कम्प्लायंस रिडक्शन के संबंध में किये गए प्रयास, नवाचार और सफलता की जानकारी दी, राज्य के डी रेग्यूलेशन, संरचना एवं अन्य जानकारियों के बारे में चर्चा की।

कम्प्लायंस रिडक्शन एंड डी-रेगुलेशन (प्रथम चरण) की मासिक प्रगति प्रतिवेदन पर विस्तृत चर्चा की गई। राज्य सरकार के 'राजनिवेश पोर्टल' की कार्यप्रणाली एवं उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। मुख्य सचिव ने बताया कि यह पोर्टल राज्य में उद्योगों एवं निवेशकों को विभिन्न विभागों की अनुमतियां, स्वीकृतियां एवं सेवाएं एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराकर निवेश प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बना रहा है। मुख्य सचिव ने कहा कि डी-रेगुलेशन प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य राज्य में व्यापार सुगमता (को बढ़ावा देना तथा उद्योगों एवं नागरिकों पर अनावश्यक प्रशासनिक अनुपालन का बोझ कम करना है। इसके तहत विभिन्न विभागों के कानूनों, लाइसेंसों, अनुमतियों तथा अनापत्ति प्रमाण-पत्रों की समीक्षा कर प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी, समयबद्ध एवं निवेश-अनुकूल बनाया जा रहा है। उन्होंने उद्योग, राजस्व, नगरीय विकास एवं आवासन (यूडीएच), श्रम सहित विभिन्न विभागों को नियामकीय सुधारों के बारे में भी चर्चा की।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा श्रम कानूनों को सरल एवं प्रभावी बनाने के लिए चार श्रम संहिताओं को लागू किया गया है। इन संहिताओं से श्रमिकों को बेहतर वेतन, सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने श्रम सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब महिलाओं को उनकी सहमति के आधार पर रात्रि पाली (नाइट शिफ्ट) में कार्य करने की अनुमति है, बशर्ते नियोक्ता सुरक्षित परिवहन, सुरक्षित कार्यस्थल एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा डी-रेगुलेशन की दिशा में किए गए व्यापक सुधार प्रशासनिक एवं आर्थिक व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन का आधार बने हैं तथा इन सुधारों की नियमित मॉनिटरिंग की जाती हैं। बैठक को वीसी के माध्यम से संबोधित करते हुए डॉ. सबीन कुहलमन ने भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं प्रशासनिक प्रणाली की सराहना की। उन्होंने जर्मनी में प्रशासनिक नीति-निर्माण, प्रशासनिक परामर्श तथा लोक प्रशासन के क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों के संबंध में अनुभव साझा किए। उन्होंने जर्मनी में प्रशासनिक व्यवस्था, तुलनात्मक लोक प्रशासन, प्रशासनिक आधुनिकीकरण एवं सार्वजनिक क्षेत्र सुधार, बेहतर विनियमन एवं नौकरशाही में कमी, प्रशासन के डिजिटलीकरण, प्रशासन एवं संकट प्रबंधन तथा तुलनात्मक स्थानीय शासन अनुसंधान जैसे विषयों पर विस्तार से विचार रखे।

किसानों को मिलेंगे किराए पर आधुनिक कृषि यंत्र

जयपुर्र। राज्य के कृषि विभाग और टैफेजेफ़ार्म सर्विसेज के मध्य गुरुवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ। इस साझेदारी का उद्देश्य राज्य में कृषि यंत्रीकरण को मजबूत करना और विशेष रूप से छोटे एवं सीमांत किसानों को आधुनिक कृषि मशीनरी उपलब्ध कराना है। इस सहयोग के माध्यम से किसान जेफ़ार्म सर्विसेज के डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरण आसानी से किराए पर ले सकेंगे, जिससे खेती की लागत कम होगी और उत्पादकता बढ़ेगी।

जेफ़ार्म सर्विसेज प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिना किसी अतिरिक्त सेवा शुल्क के ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण किराए पर उपलब्ध कराए जाएंगे। जेफ़ार्म सर्विसेज प्लेटफॉर्म को राज किसान साथी पोर्टल के साथ एकीकृत किया जाएगा ताकि किसानों को डिजिटल माध्यम से निर्बाध सेवाएं मिल सकें। फसल चक्र के पूरे चरण भूमि तैयारी, बुआई, कटाई एवं पोस्ट-हार्वेस्टिंग में यंत्रीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा। किसानों, कस्टम हायरिंग सेंटर्स (सीएचसी), ट्रैक्टर मालिकों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को प्लेटफॉर्म पर शामिल कर कृषि यंत्र किराया इकोसिस्टम को मजबूत किया जाएगा। किसान जागरूकता कार्यक्रम, प्रदर्शन, किसान गोष्ठियां एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।किसानों, एफपीओ, ग्रामीण युवाओं, छात्रों, महिला स्वयं सहायता समूहों और एग्री-स्टार्टअप्स के क्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण एवं ज्ञान-साझाकरण कार्यक्रम चलाए जाएंगे। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल ने कहा कि कस्टम हायरिंग सेंटर राजस्थान में कृषि यंत्रीकरण को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण मॉडल है। हमारी सोच है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित हों, जिनका संचालन फेडरेशन, सहकारी समितियों, एफपीओ या व्यक्तिगत उद्यमियों द्वारा किया जा सके। इससे कृषि यंत्रों की उपलब्धता का एक मजबूत और व्यापक नेटवर्क विकसित होगा।

शेखावत जैसलमेर रेलवे स्टेशन के लोकार्पण कार्यक्रम में होंगे शामिल, जोधपुर से जैसलमेर जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शुक्रवार को जोधपुर आएंगे। इसके बाद जोधपुर सड़क मार्ग से जैसलमेर पहुंचकर वहां पर रेलवे स्टेशन के उद्घाटन समारोह में प्रतिभाग करेंगे। गजेन्द्र सिंह शेखावत शुक्रवार, 17 जुलाई को दिल्ली से प्रातः 7.30 बजे जोधपुर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। इसके बाद जोधपुर से प्रस्थान कर दोपहर एक बजे सर्किट हाउस, जैसलमेर पहुंचेंगे।शेखावत दोपहर 2 बजे से अपराह्न 4.30 बजे तक जैसलमेर रेलवे स्टेशन के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी वर्चुअल रूप से करेंगे। इस समारोह के बाद केंद्रीय मंत्री अपराह्न 4.30 बजे सर्किट हाउस, जैसलमेर पहुंचेंगे। वे सायं 6 बजे सत्याया गांव, जैसलमेर में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद सड़क मार्ग से बीकानेर के लिए प्रस्थान करेंगे। बीकानेर से देर रात रेल मार्ग से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

राजस्थान में कुछ दिन मौसम शुष्क रहने का अनुमान

जयपुर। दक्षिण पश्चिम मानसून के कमजोर होने के बीच राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में मौसम अभी कुछ दिन शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम केंद्र जयपुर ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में आगामी पांच-छह दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहेगा। इस दौरान जयपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग में कहीं कहीं हल्की बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र के मुताबिक इस अवधि में अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव आने की संभावना नहीं है।

वहीं बृहस्पतिवार सुबह तक के 24 घंटों के दौरान राज्य के पश्चिमी भाग में कई जगह बादल छाए रहे व कहीं कहीं हल्की से मध्यम बारिश हुई। इस दौरान सर्वाधिक बारिश गंगानगर (तहसील) में 33.0 मिलीमीटर दर्ज की गई।

राज्य चुनाव आयोग को न्यायालय ने 5 दिन में चुनाव की तारीखें बताने के निर्देश; कहा- क्यों न अवमानना की कार्रवाई शुरू करें?

जयपुर। राजस्थान में लंबे समय से लंबित पंचायत और निकाय चुनावों को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने आज बेहद सख्त रुख अपनाया है. हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ (बेंच) ने राज्य चुनाव आयोग को कड़ी फटकार लगाते हुए 5 दिन के भीतर (आगामी सोमवार तक) चुनाव की तारीखों का एलान करने के निर्देश दिए हैं. अदालत ने तीखी टिप्पणी करते हुए राज्य चुनाव आयुक्त से पूछा, आप क्यों चाहते हैं कि हम आपके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करें? इस महत्वपूर्ण सुनवाई के दौरान राज्य चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह और ओबीसी (जइउ) आयोग के सदस्य सचिव व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में मौजूद रहे. चुनाव आयोग की दलील: 'हमारी तैयारी पूरी, सरकार से नहीं मिला आरक्षण वर्गीकरण'कोर्ट की फटकार पर राज्य चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह ने आयोग का पक्ष रखते हुए कहा कि प्रशासनिक स्तर पर चुनाव कराने की हमारी तैयारियां पूरी हैं. उन्होंने देरी का ठीकरा राज्य सरकार पर फोड़ते हुए कहा, हमें सरकार की ओर से अभी तक वार्डों और सीटों के आरक्षण का वर्गीकरण (लॉटरी) करके नहीं दिया गया है. अगर राज्य सरकार हमें आज लॉटरी निकालकर दे देती है, तो हम महज 2 दिन के भीतर चुनाव प्रक्रिया की अधिसूचना जारी कर देंगे.

सुनवाई के दौरान अदालत का गुस्सा ओबीसी आयोग पर भी फूटा. सीटों के वर्गीकरण में हो रही देरी पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब 9 मई 2025 को सरकार ने विशेष रूप से 3 महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपने के लिए इस आयोग का गठन किया था, तो तय समय सीमा में रिपोर्ट क्यों नहीं दी गई? कोर्ट ने तल्ख लहजे में कहा, अगर आपसे काम नहीं होता है, तो साफ मना कर दीजिए.

चुनाव की निश्चित तारीखें कोर्ट को बताए. ओबीसी आयोग: अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने की तय तारीख स्पष्ट करे. राज्य सरकार: सीटों और वार्डों की आरक्षण लॉटरी निकालने की निश्चित तिथि से अवगत कराए. गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्व में 22 मई को एक आदेश जारी किया था, जिसमें राज्य सरकार और चुनाव आयोग को हर हाल में 31 जुलाई 2026 तक प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए थे. हालांकि, जुलाई का आधा महीना बीत जाने के बाद भी चुनाव प्रक्रिया शुरू न होने पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए यह सख्त रुख अख्तियार किया है. अब सोमवार को होने वाली अगली सुनवाई पर पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हुई हैं।

सरिस्का में कठिन अभियान के बाद बाघ को सुरक्षित पकड़ा

अलवर। अलवर जिले के सरिस्का बाघ परियोजना के तालवृक्ष रेंज के तुलसीवाला गांव में बुधवार को वन विभाग ने कठिन परिस्थितियों के बीच एक बाघ को सुरक्षित पकड़ लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, दिनभर चले इस अभियान के दौरान स्थानीय लोगों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने से वन विभाग की टीम को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

सरिस्का बाघ परियोजना के क्षेत्रीय निदेशक संग्राम सिंह कटियार ने बताया कि टीम ने धैर्य, सूझबूझ और पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए बाघ को सुरक्षित पकड़ने में सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान अफरा-तफरी में एक व्यक्ति घायल हो गया। वहीं, कुछ ग्रामीणों ने वन विभाग के चार वाहनों को नुकसान पहुंचाया।

कटियार ने बताया कि अभियान के अंतिम चरण में भीड़ ने वन विभाग की टीम पर पथराव कर दिया, जिससे विभाग के कई कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा, विपरीत परिस्थितियों और तनावपूर्ण माहौल के बावजूद वन विभाग की टीम ने अभियान बीच में नहीं छोड़ा और पूरी सावधानी के साथ बाघ को सुरक्षित पकड़ने में सफलता हासिल की।

बुलडोजर कार्रवाई

अवमानना याचिकाओं पर विचार करने से न्यायालय का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को उन अवमानना याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया जिनमें दावा किया गया था कि न्यायालय के 2024 के एक फैसले का उल्लंघन करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गयी है। न्यायालय ने प्रभावित पक्षों को संबंधित उच्च न्यायालयों का रुख करने को कहा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि तथ्यों के आधार पर कई ऐसे सवाल हैं, जिन पर विचार किए जाने की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इन कार्यवाहियों से जुड़े रिकॉर्ड संबंधित उच्च न्यायालयों को भेजेगी। साथ ही, न्यायालय ने उच्च न्यायालयों से संबंधित रिकॉर्ड तलब करने और जरूरत पड़ने पर जिला अदालतों के माध्यम से साक्ष्य जुटाकर सभी तथ्यात्मक मुद्दों का निर्धारण करने को कहा।

पीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायालय ने आरोपों के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की है। पीठ ने निर्देश दिया कि न्यायालय द्वारा दी गई अंतरिम सुरक्षा, उच्च न्यायालयों में कार्यवाही लंबित रहने तक जारी रहेगी। पीठ ने कहा, हालांकि, पक्षकारों को संबंधित उच्च न्यायालयों के समक्ष अंतरिम आदेशों में संशोधन का अनुरोध करने की

स्वतंत्रता होगी और उच्च न्यायालय ऐसी अर्जियों पर स्वतंत्र रूप से निर्णय लेंगे। पीठ ने उच्च न्यायालयों से मामले का निपटारा यथासंभव चार महीने के भीतर करने का अनुरोध किया। सुनवाई के दौरान, सोमनाथ में मस्जिदों को गिराए जाने से संबंधित मामले में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी ने कहा कि इस मामले में सार्वजनिक भूमि पर कोई अतिक्रमण नहीं था। उन्होंने शीर्ष अदालत के आदेशों का गंभीर उल्लंघन'' किए जाने का आरोप लगाया और कहा कि अधिकारियों ने न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना करते हुए कार्रवाई की।

प्रधान न्यायाधीश ने इस दलील पर टिप्पणी की, मुख्य शिकायत यह प्रतीत होती है कि प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है। आप (अधिकारी) कहेंगे कि प्रक्रिया का पालन किया गया है और दूसरा पक्ष इससे इनकार करेगा। क्यों न हम यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दें और उच्च न्यायालय को इस पर निर्णय लेने दें। महाराष्ट्र से संबंधित एक अवमानना मामले में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी. यू. सिंह ने दावा किया कि कई बार स्थानीय नेताओं द्वारा बुलडोजर कार्रवाई'' का आह्वान किए जाने के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले हैं, जहां इस तरह की कार्रवाई स्पष्ट रूप से ''दंडात्मक कार्रवाई'' के रूप में की जाती है। सिंह ने दलील दी कि अगर न्यायालय को लगता है कि अवमानना नहीं हुई है तो याचिका खारिज की जा सकती है। उन्होंने कहा, अगर उच्चतम न्यायालय अपने ही फैसले के लिए खड़ा नहीं होता है, तो मुझे यह कहते हुए खेद है...। न्यायमूर्ति बागची ने इसके बाद टिप्पणी की, ''फैसले को कानून नहीं माना जा सकता। निर्देश कुछ शर्तों और सीमाओं के साथ दिए गए हैं। ये निर्देश केवल उन वैधानिक अधिकारों की पुन: पुष्टि के रूप में हैं, जो पहले से मौजूद हैं।''

आंध्र सरकार ने तीन बंदरगाहों के लिए 6,000 एकड़ से अधिक भूमि अधिग्रहण के दूसरे चरण को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्य में तीन बंदरगाहों (मूलापेटा, मछलीपट्टनम और रामायपट्टनम) के विकास के लिए दूसरे चरण के तहत 6,248 एकड़ भूमि अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। इसके लिए 1,638 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत निर्धारित की गई है। बुनियादी ढांचा एवं निवेश विभाग के विशेष मुख्य सचिव एमटी कृष्ण बाबू ने बताया कि भूमि अधिग्रहण पर होने वाला खर्च आंध्र प्रदेश समुद्री बोर्ड (एपीएमबी) के आंतरिक संसाधनों से पूरा किया जाएगा। बाबू ने एक सरकारी आदेश में कहा, सरकार ने मूलापेटा बंदरगाह, मछलीपट्टनम बंदरगाह और रामायपट्टनम बंदरगाह के विकास के लिए दूसरे चरण के भूमि अधिग्रहण को प्रशासनिक मंजूरी प्रदान कर दी है।

सरकारी आदेश के अनुसार, दूसरे चरण के भूमि अधिग्रहण के तहत मूलापेटा बंदरगाह के लिए 1,903 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा, जिसपर 440 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आर एंड आर) की लागत भी शामिल होगी।

इसी तरह, मछलीपट्टनम बंदरगाह के लिए 347 करोड़ रुपये की लागत से 1,421 एकड़ भूमि और रामायपट्टनम बंदरगाह के लिए 851 करोड़ रुपये की लागत से 2,924 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

खरगे ने पीएम को लिखा पत्र, परिसीमन संबंधी विधेयक पर सर्वदलीय बैठक की मांग की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित विधेयक को लेकर सरकार के प्रस्तावों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। खरगे ने पत्र में कहा कि इस साल मार्च और अप्रैल में उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को कई बार पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि केंद्र सरकार परिसीमन और उससे जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाए। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश उनके इन अनुरोधों को स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि इसके बाद संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 के लिए इस साल 17 अप्रैल को लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं हो सका।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कुछ खबरों से उन्हें जानकारी मिली है कि केंद्र सरकार अब आगामी मानसून सत्र के दौरान संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 का संशोधित संस्करण फिर से संसद में पेश करने की तैयारी कर रही है। खरगे ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया, सरकार के परिसीमन आदि से संबंधित संशोधित प्रस्तावों पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की कृपा करें तथा उन्हें संसद में प्रस्तुत किए जाने से पूर्व उनका विस्तार से अध्ययन करने के लिए हमें पर्याप्त समय प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य महिला आरक्षण को 2029 से लागू करना और लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन तथा लोकसभा सीटों की संख्या में बदलाव का रास्ता साफ करना था।

बंटी यादव हत्याकांड : प्रशांत किशोर ने त्वरित न्याय की मांग की

।।।दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बृहस्पतिवार को 25 वर्षीय बंटी यादव के परिजन से मुलाकात की, जिसकी पिछले हफ्ते कथित तौर पर अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी। बांकीपुर से विधानसभा उपचुनाव लड़ रहे किशोर ने राज्य सरकार पर आपराधिक मानसिकता रखने का आरोप लगाया और मृतक के परिजन को त्वरित न्याय दिलाने की मांग की। बंटी का शव पिछले शनिवार को पटना जिले के अथमलगोला इलाके में विक्षिप्त अवस्था में मिला था।

किशोर ने कहा, राज्य सरकार के आपराधिक चरित्र के कारण इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं। परिजन ने प्राथमिकी में नामजद सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, कथित लापरवाही के लिए कोतवाली और जक्कनपुर थाने के अधिकारियों के खिलाफ विभागीय

कार्रवाई तथा पीड़ित परिवार को मुआवजा और एक योग्य सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि शुरुआत में पुलिस ने परिवार का सहयोग नहीं किया और उन्हें पूरे दिन थाने में बैठाए रखा गया, लेकिन कोई सहायता नहीं मिली। किशोर ने कहा, मैं चार-पांच दिन पहले यहां आया था, तब अपहरण के विरोध में परिजन धरने पर बैठे थे। पुलिस ने दो दिन के भीतर युवक को बरामद करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद उन्होंने धरना समाप्त कर दिया।

अखिलेश ने जौहर विश्वविद्यालय परिसर में कई इमारतों को ध्वस्त करने के आदेश पर सवाल उठाया

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर शिक्षा को सांप्रदायिक नजरिये से देखने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया। उन्होंने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय परिसर में कई इमारतों को ध्वस्त करने के प्रशासन के फैसले पर सवाल उठाते हुए उसे निंदनीय करार दिया। अखिलेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा को शिक्षा में भी सांप्रदायिकता नजर आती है। शिक्षा, शिक्षक, शिक्षार्थी और शिक्षा के बाद मिलने वाली नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं। उन्होंने लिखा, भाजपा अपने अपंजीकृत संगी-साथियों के अवैध भवनों को कब ढहाएगी? जब संगी-साथी ही अपंजीकृत हैं, तो उनके भवनों, कार्यालयों और संस्थानों को कैसे वैध माना जा सकता है। निंदनीय! अखिलेश की यह टिप्पणी जेल में बंद सपा नेता आजम खान की ओर से स्थापित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय परिसर की 38 इमारतों को ध्वस्त करने के रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के आदेश के एक दिन बाद आई है। आदेश में कहा गया है कि इन इमारतों का निर्माण भवन योजना को मंजूरी के बिना किया गया था। वहीं, विश्वविद्यालय का तर्क है कि जब इमारतों का निर्माण किया गया था, तो यह इलाका आरडीए के अधिकार क्षेत्र से बाहर था।

कोलकाता में भारी बारिश, 19 जुलाई तक जारी रहने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव वाले क्षेत्र के कारण बृहस्पतिवार को कोलकाता और आसपास के जिलों में भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

आईएमडी ने बताया कि यह प्रणाली और मजबूत होकर स्पष्ट कम दबाव वाले क्षेत्र में बदल सकती है और इसके प्रभाव से 19 जुलाई तक भारी बारिश जारी रहने का अनुमान है। विभाग ने कहा कि 19 और 20 जुलाई को दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। यह प्रणाली पश्चिम बंगाल से होते हुए उत्तर दिशा की ओर बढ़ेगी।

आईएमडी ने पश्चिम बंगाल तट के पास और उससे लगे समुद्री क्षेत्रों में शनिवार सुबह तक मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी है। साथ ही दार्जिलिंग और कलिम्पोंग के पहाड़ी जिलों में भूस्खलन की आशंका को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है। विभाग ने बताया कि तट के आसपास तेज हवाएं चलने का अनुमान है, जिनकी रफ्तार 35 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है और कभी-कभी झोंकों के साथ यह 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

देश में 100 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आए : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि देश में सामाजिक सुरक्षा का दायरा 2015 के 25 करोड़ लोगों से बढ़कर 2026 में 100 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच गया है।

मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा देश की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को मिली महत्वपूर्ण मान्यता का उल्लेख किया। मांडविया ने लिखा, ''भारत ने सामाजिक सुरक्षा के विस्तार में एक अरब (100 करोड़) का आंकड़ा पार कर लिया है।'' उन्होंने सामाजिक सुरक्षा दायरे के विस्तार के लिए भारत के प्रयासों को मान्यता देने पर आईएलओ के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. हौंगबो का आभार व्यक्त किया। मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का सामाजिक सुरक्षा दायरा 2015 के 25 करोड़ नागरिकों (19%) से बढ़कर 2026 में 100 करोड़ से अधिक नागरिकों (68.4 प्रतिशत) तक पहुंच गया है। यह सबका साथ, सबका विकास' के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

इन आंकड़ों के अनुसार, भारत ने एक दशक से कुछ अधिक समय में अपनी आबादी के पांचवें हिस्से से भी कम लोगों तक सीमित सामाजिक सुरक्षा दायरे को बढ़ाकर दो-तिहाई से अधिक आबादी तक पहुंचा दिया है, जो दुनिया में सामाजिक सुरक्षा के सबसे तेज विस्तारों में से एक है। आईएलओ के अनुसार, 2025 तक सामाजिक सुरक्षा दायरा 2015 के 19% से बढ़कर 64.3% हो गया था और 94 करोड़ से अधिक नागरिक इसके दायरे में आ चुके थे। इसी उपलब्धि के लिए भारत को अक्टूबर, 2025 में मलेशिया में अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) पुरस्कार-2025 के तहत सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में 'उत्कृष्ट उपलब्धि' सम्मान प्रदान किया गया था। भारत की ब्रिक्स-2026 अध्यक्षता के तहत हैदराबाद में आयोजित 12वीं ब्रिक्स श्रम एवं रोजगार मंत्रियों की बैठक के लिए भेजे गए वीडियो संदेश में आईएलओ के महानिदेशक ने भारत की इस नई उपलब्धि को औपचारिक मान्यता दी।

सिलक्यारा सुरंग में कंक्रीट की परत गिरने से मजदूर की मौत

उत्तरकाशी/भाषा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग के अंदर कंक्रीट की सुरक्षात्मक परत का हिस्सा टूटकर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले मजदूर की पहचान झारखंड निवासी नरेश गंझू (22) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद साथी मजदूरों ने गंझू के परिजन को उचित मुआवजा दिए जाने और सुरंग के भीतर सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत किए जाने की मांग करते हुए काम रोक दिया। उत्तरकाशी के जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र ने राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के हवाले से बताया कि हादसा मध्यरात्रि के बाद करीब दो बजे सुरंग के बड़कोट सिरे से 900 मीटर अंदर हुआ, जब वहां लगाई जा रही कंक्रीट की परत का एक हिस्सा अचानक टूटकर नीचे गिर गया और वेल्डर का काम करने वाला गंझू उसकी चपेट में आ गया।

अमेरिका में भारतीय पर धर्म के कारण चाकू से हमला : ओवैसी ने निंदा की

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बृहस्पतिवार को अमेरिका में एक भारतीय व्यक्ति पर कथित तौर पर धर्म के कारण किए गए चाकू से हमले की निंदा की। फॉक्स 13 न्यूज की खबर के अनुसार, युटाह की वेस्ट वैली सिटी स्थित वैली सिटी मॉल में कर्मचारी सैयद सोहेलुद्दीन पर सोमवार दोपहर पीटर माइकल लार्सन ने कथित तौर पर चाकू से हमला किया। बताया गया कि लार्सन ने हमले से पहले पीड़ित से उसका धर्म पूछा था। ओवैसी ने कहा, यह बेहद दुखद और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े लोगों को ट्रेनों और सड़कों पर निशाना बनाया जा रहा है।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम कार्यकर्ता तेलंगाना और अन्य राज्यों में जागरूकता कार्यक्रम चला रहे हैं, ताकि लोगों को एसआईआर फॉर्म सही तरीके से भरने, नोटिस का जवाब देने और मतदाता सूची में अपना नाम बनाए रखने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम ने तेलंगाना सरकार से अपील की है कि वह राज्य में जारी एसआईआर प्रक्रिया के दौरान गरीब लोगों की मदद के लिए स्थायी निवास प्रमाण पत्र जारी करे।

परिसीमन और अन्य विधेयकों का करेंगे विरोध, राम मंदिर और 'एथनॉल' पर चर्चा की मांग करेंगे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को फैसला किया कि वह 20 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में परिसीमन विधेयक और कई अन्य संभावित विधेयकों का पुरजोर विरोध करेगी तथा राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी, पेपर लीक, एथनॉल और विदेश नीति के विषयों को लेकर भी सरकार से चर्चा तथा जवाब की मांग करेगी। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि लोकसभा में सत्तापक्ष को दो तिहाई बहुमत मिलने की गुंजाइश नहीं है, फिर भी वह विपक्ष की एकता बनाए रखने के लिए विभिन्न दलों के साथ संपर्क में है। पार्टी की संसदीय रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास 10, जनपथ' पर बृहस्पतिवार पूर्वाह्न एक बैठक हुई, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

उच्चतम न्यायालय ने नौवीं कक्षा से तीसरी भाषा लागू करने की सीबीएसई की नीति पर जतायी चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत नौवीं कक्षा से तीसरी भाषा शुरू किए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे छात्रों का तनाव बढ़ेगा। न्यायालय ने सुझाव दिया कि यदि तीसरी भाषा लागू करनी है तो इसे पांचवीं या छठी कक्षा से शुरू किया जाना चाहिए, ताकि छात्र इसे आसानी से सीख और समझ सकें। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने मौखिक रूप से केंद्र सरकार से कहा कि नौवीं कक्षा से तीसरी भाषा लागू नहीं की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने केंद्र सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता से कहा, भारत सरकार कृपया नौवीं कक्षा से तीसरी भाषा लागू न करे। इससे छात्रों का तनाव अनावश्यक रूप से बढ़ जाएगा। यदि आप कोई नई भाषा शुरू करना चाहते हैं, तो कृपया इसे पांचवीं या छठी कक्षा से लागू करें, न कि नौवीं कक्षा से। नौवीं कक्षा में पहले ही पढ़ाई का तनाव होता है। यह तनाव आठवीं कक्षा से ही शुरू हो जाता है।'' उन्होंने अधिवक्ता से अदालत की इस भावना से सरकार को अवगत

कराने को भी कहा। ये टिप्पणियां उस समय की गईं, जब न्यायालय तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उसने मद्रास उच्च न्यायालय के राज्य के प्रत्येक जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय स्थापित करने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के निर्देश को चुनौती दी है। तमिलनाडु सरकार लंबे समय से राज्य में जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना का विरोध करती रही है। उसका कहना है कि इन विद्यालयों में लागू त्रिभाषा नीति को लेकर उसे आपत्ति है। हालांकि, यह पीठ सीधे तौर पर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की नई भाषा नीति की वैधता पर सुनवाई नहीं कर रही थी, लेकिन उसने विद्यालयों में तीसरी भाषा शुरू किए जाने के उपयुक्त समय को लेकर अपनी टिप्पणी की।

इस बीच, भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की एक अन्य पीठ सीबीएसई की नई नीति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार कर रही है और हाल ही में उसने इस संबंध में जारी अधिसूचना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। सुनवाई के दौरान तमिलनाडु की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि राज्य की आपत्ति त्रिभाषा नीति को लेकर है। इस पर न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने कहा कि इस नीति में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अनिवार्य नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, ''राज्य की भाषा पढ़ाई जानी चाहिए, अंग्रेजी पढ़ाई जानी चाहिए और कोई भी तीसरी भाषा पढ़ाई जा सकती है। इसमें कहीं भी यह नहीं कहा गया है कि तीसरी भाषा हिंदी ही होगी।''

भारी बारिश के बीच शुभेंदु रथ यात्रा में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को भारी बारिश के बीच यहां आयोजित रथ यात्रा में शामिल होकर श्रद्धालुओं के साथ उत्सव मनाया।पीले रंग का कुर्ता और सफेद धोती पहने शुभेंदु ने अल्बर्ट रोड पर इस्कॉन की ओर से आयोजित रथ यात्रा में हिस्सा लिया और शोभायात्रा की शुरुआत के मौके पर परंपरागत रूप से रथ की रस्सी खींची।

उन्होंने कहा, ''इस उत्सव का हिस्सा बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। मैं इससे पहले भी कई बार यहां आ चुका हूं। यह मेरे लिए एक बड़ा अवसर है। मैं प्रार्थना करता हूं कि बुराई पर अच्छाई की हमेशा जीत हो।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न क्षेत्रों में इस्कॉन के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि इस्कॉन एक अगस्त से शहर और राज्य के अन्य हिस्सों में मध्याह्न भोजन कार्यक्रम से भी जुड़ेगा। इससे पहले शुभेंदु ने इस्कॉन मंदिर में ''मंगल आरती'' की। वह तामलुक और

मेचेदा में निकाली जाने वाली रथ यात्रा कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। राज्यभर में रथ यात्रा के आयोजन किए जा रहे हैं, जिनमें हुगली जिले का महेश और दीघा स्थित जगन्नाथ मंदिर भी शामिल हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु सुबह से ही देश की सबसे पुरानी रथ यात्राओं में शामिल महेश की प्रसिद्ध रथ यात्रा में भाग लेने के लिए हुगली जिले में पहुंच रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सदियों पुराने इस उत्सव के मद्देनजर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

सुविचार

सपने वही सच होते हैं, जिनके लिए मेहनत की जाती है। लक्ष्य स्पष्ट रखें, निरंतर प्रयास करें, सफलता आपका स्वागत करेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चढ़ावा प्रबंधन में पारदर्शिता समय की मांग

जब से अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी का मामला सामने आया है, ऐसे लोग भी भक्ति संबंधी विषयों पर उपदेश देने लगे हैं, जो कल तक मंदिर का विरोध कर रहे थे। उन्हें मंदिरों के प्रबंधन में पारदर्शिता को लेकर बड़ी चिंता सताने लगी है। जो कभी यह कहकर हिंदुओं की आस्था पर चोट करते थे कि 'मंदिर बनाने से क्या मिल जाएगा? ... अगर बनाना ही है तो वहां कोई अस्पताल बना दें', वे आज बड़े-बड़े भाषण देकर चढ़ावे पर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि वे अब भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनकी मंडली यह कहकर हिंदू आस्था का मजाक उड़ा रही है कि मंदिरों में चढ़ावे की जगह किसी अन्य काम में अपना धन खर्च कर दें। क्या वे खुद कभी मंदिरों में चढ़ावा चढ़ाते हैं? क्या वे परोपकार संबंधी गतिविधियों में अपना धन खर्च करते हैं? अगर ये सवाल उनसे पूछे जाएं तो वे चुप्पी साध लेंगे। श्रीराम मंदिर चढ़ावा मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है। विशेष जांच दल अपनी जांच में जुटा है। जो भी दोषी होगा, उसका पर्दाफाश किया जाएगा। उसे कठोर दंड मिलेगा। ऐसे मामले गंभीर चिंता और दु:ख का विषय हैं। जब कोई श्रद्धालु यह सुनता है कि मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी हुई है तो उसे बहुत पीड़ा होती है, लेकिन यह कहना पूरी तरह गलत है कि इससे लोगों की आस्था कम हुई है या कम हो जाएगी। अतीत में हमारे देश पर विदेशी आक्रांताओं ने कई हमले किए थे। उन्होंने अनेक मंदिरों और प्रतिमाओं को खंडित किया था। खूब लूट मचाई थी। क्या उससे हमारी आस्था कम हुई? कभी नहीं, बल्कि लोगों ने पिछली घटनाओं से सबक लेकर मंदिर निर्माण एवं उनके प्रबंधन में और ज्यादा आस्था दिखाई। जब खूंखार आक्रांता हमारी आस्था नहीं डिगा सके तो ये मुट्ठीभर भ्रष्टाचारी क्या कर लेंगे? ये तो खुद कानून के शिकंजे में हैं।

श्रीराम मंदिर में चढ़ावे का उक्त मामला सामने आने के बाद हर मंदिर के चढ़ावे के रखरखाव और प्रबंधन में पारदर्शिता के लिए आवाज उठ रही है। इसका स्वागत होना चाहिए। मंदिरों में श्रद्धालु सबसे ज्यादा नकदी और प्रसाद चढ़ाते हैं। प्रसाद के संबंध में मंदिरों के नियम अलग-अलग हैं। वह श्रद्धालुओं में वितरित कर दिया जाता है। इसमें किसी को आपत्ति नहीं है। असल मुद्दा नकदी की सुरक्षा का है। इसका सही ढंग से रखरखाव और प्रबंधन कोई मुश्किल काम नहीं है। आज हर श्रद्धालु के हाथ में स्मार्टफोन है। उसका बैंक खाता है। उसके लिए डिजिटल पेमेंट कोई नई बात नहीं है। अगर मंदिरों में चढ़ावे का ज्यादातर हिस्सा डिजिटल हो जाए तो उसे गिनने की समस्या ही नहीं रहेगी। मंदिर परिसर और प्रबंधन समिति के कार्यालयों में क्यूआर कोड लगाए जा सकते हैं। इसके बाद जो श्रद्धालु चढ़ावा अर्पित करना चाहता है, वह अपने बैंक खाते से सीधे भेज सकता है। इस तरह पूरी पारदर्शिता रहेगी। कुल धनराशि का साल में एक बार ऑडिट करवाकर पूरा हिसाब-किताब ऑनलाइन प्रस्तुत कर दिया जाए, जिससे हर व्यक्ति की उस तक पहुंच हो। एक साल में कितना चढ़ावा आया, वह कहां खर्च हुआ, मंदिर के विकास और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं जुटाने में कितने रुपए लगे – इन सबका विवरण मिलने से अनावश्यक आशंकाएं पैदा नहीं होंगी। जो श्रद्धालु डिजिटल पेमेंट करना नहीं जानते, उनके लिए नकदी का विकल्प खुला होना चाहिए। उस धनराशि की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए जाएं। वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। एक भी कैमरा खराब हो तो उसे तुरंत बदला जाए। उस दौरान वहां नकदी की गिनती न हो। पुजारी हो या कर्मचारी, सबकी वेशभूषा ऐसी होनी चाहिए, जिससे श्रद्धालुओं में विश्वास पैदा हो। हाल में कुछ मंदिरों में पुजारियों और कर्मचारियों पर जेब युक्त कपड़े न पहनने का नियम लागू किया गया है। अगर सभी मंदिरों में ऐसी पहल की जाए तो किसी को अंगुली उठाने का मौका ही नहीं मिलेगा।

ट्वीटर टॉक

जय जगन्नाथ! श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र जी और माता सुभद्रा जी की असीम कृपा आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और नई ऊर्जा लाए।

–दिया कुमारी

इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स में आयोजित किताब इलस्ट्रेटेड अभिधम्म: बुद्धिस्ट इनपुट्स फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बुक रिलीज़ और डिस्कशन प्रोग्राम में हिस्सा लिया। किताब रिलीज़ करते समय, मैंने भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित टॉपिक पर अपने विचार शेयर किए।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

राजस्थान में दूसरी भारतीय भाषाओं का सम्मान और पढ़ाई तारीफ़ के काबिल है। अगर हमारी यूनिवर्सिटीज़ में मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और दूसरी समृद्ध भाषाओं के लिए सेंटर खोले जाएं, तो इससे भाषाई विविधता मज़बूत होगी और 'नेशनल इंटीग्रेशन' की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

–अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

कर्म का प्रकाश

उन दिनों गोपालकृष्ण गोखले 'केसरी' तथा 'मराठा' जैसे चर्चित अखबारों के माध्यम से अंग्रेजी हुकूमत से जमकर लोहा ले रहे थे। जब सन 1906 में कलकत्ता अधिवेशन चल रहा था। तब कुछ युवा बड़े बेचैन हो रहे थे। उनको हर बैठक में अपनी बात की तारीफ चाहिए थी तथा वे देश-सेवा के साथ स्व-प्रचार के भी बेहद इच्छुक थे। उनका उतावलापन देखकर गोखले ने उनको समझाया कि ये देखो आसमान में यह सूर्य बोलता नहीं है। मग़र उसी से उपजा प्रकाश उसका परिचय देता है। ठीक उसी प्रकार आप भी अपने देश-सेवा के कर्म करते रहें, आपका परिचय आपके सारे कर्म बरबस दे देंगे। यही कारण था कि मुहम्मद अली जिन्ना तथा महात्मा गांधी, गोखले को अपना गुरु मानते थे।

सामयिक

यूपी में कांग्रेस क्यों दिखा रही है अखिलेश को 'आंखें'?

अजय कुमार
मोबाइल : 9335566111

कांग्रेस की यह आक्रामक नीति न केवल उत्तर प्रदेश की राजनीति, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की एकता के लिए भी एक परीक्षा है। यदि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में सपा से अलग होती है या उन पर हमलावर बनी रहती है, तो इंडिया गठबंधन की साख पर प्रश्नचिह्न लगना लाजिमी है। यह स्थिति भाजपा के लिए एक प्रकार से उपहार की तरह हो सकती है, क्योंकि विपक्ष का बंटवारा सीधे तौर पर सत्ताधारी दल को मजबूती प्रदान करता है। कांग्रेस का यह कदम एक जुआ है। एक ऐसा दांव, जिसमें जीत की संभावना कम, लेकिन स्वाभिमान की पुनर्स्थापना की ललक अधिक दिखती है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति अपनी जटिलताओं और अप्रत्याशित करवटों के लिए जानी जाती है, और वर्तमान में राज्य में जो सियासी घटनाक्रम घटित हो रहा है, वह उसी परंपरा का एक नया अध्याय है। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस द्वारा अपने ही गठबंधन सहयोगी, समाजवादी पार्टी (सपा) के खिलाफ खोला गया मोर्चा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है। सतह पर यह एक सामान्य राजनीतिक बयानबाजी लग सकती है, लेकिन इसके पीछे के निहितार्थ काफी गहरे और दूरगामी हैं। कांग्रेस का यह कदम स्पष्ट रूप से दबाव की राजनीति (प्रेशर पॉलिटिक्स) का एक हिस्सा माना जा रहा है, जहाँ पार्टी अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए जोखिम लेने से भी पीछे नहीं हट रही है। लंबे समय से उत्तर प्रदेश में हाशिये पर रही कांग्रेस अब अपनी रणनीतियों में आमूलचूल परिवर्तन करने के संकेत दे रही है। यदि इस स्थिति का बारीकी से विश्लेषण किया जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस अब 'हम तो डूबेंगे ही, तुमको भी ले डूबेंगे' की तर्ज पर आगे बढ़ रही है, जिसका सीधा असर उत्तर प्रदेश के विपक्षी गठबंधन इंडिया की एकजुटता पर पड़ना तय है।

कांग्रेस के कद्दावर नेता और सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद द्वारा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर की गई तीखी टिप्पणी को इस घटनाक्रम का मुख्य बिंदु माना जा रहा है। मसूद के ये तेवर केवल एक व्यक्ति की व्यक्तिगत राय नहीं हो सकते, बल्कि जानकार इसे कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व, विशेषकर गांधी परिवार की मौन स्वीकृति या उनकी सोची-समझी रणनीति का हिस्सा मानते हैं। इमरान मसूद की पृष्ठभूमि को देखें, तो वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक बड़े मुस्लिम चेहरे रहे हैं और उनका आक्रामक तेवर हमेशा से कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा रहा है। अखिलेश यादव पर उनका यह प्रहार सपा को असहज करने के लिए काफी है, लेकिन इसके पीछे का मास्टरमाइंड कौन है, यह सवाल राजनीतिक विश्लेषकों को कांग्रेस के उच्च स्तर तक ले जाता है। दरअसल, कांग्रेस आलाकमान संभवत: यह महसूस कर रहा है कि पिछले कुछ चुनावों में सपा के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को न केवल अपनी सीटें गंवानी पड़ीं, बल्कि उसका वोट बैंक भी तेजी से सपा की ओर खिसका है। ऐसे में यह हमला उस रणनीतिक हताशा और पुनरुत्थान की छटपटाहट का मिश्रण है, जिसे गांधी परिवार द्वारा निर्देशित माना जा रहा है।

राजनीतिक पंडितों का यह मानना है कि उत्तर प्रदेश में 'एकला चलो' की नीति अपनाना कांग्रेस के लिए एक बड़ा और जोखिम भरा दांव हो सकता है। यद्यपि कांग्रेस का जनाधार इस समय न्यूनतम स्तर पर है, लेकिन उसके पास खोने के लिए बहुत कम और पाने के लिए बहुत कुछ है। यदि कांग्रेस अकेले लड़ने का निर्णय लेती है, तो वह राज्य में अपनी विचारधारा को पुन: स्थापित करने का प्रयास कर सकती है और भविष्य में एक मजबूत विकल्प के रूप में खुद को तैयार कर सकती है। हालांकि, यह राह इतनी सरल नहीं है। 'एकला चलो' की राजनीति करने का अर्थ है मुस्लिम और दलित वोटों के उस समीकरण को चुनौती देना, जिसे फिलहाल सपा और बसपा अपनी जागीर समझते हैं। यह प्रयोग सफल होगा या विफल, यह तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन यह निश्चित है कि इससे विपक्षी एकता का ढांचा बुरी तरह चरमरा जाएगा। कांग्रेस शायद यह मानकर चल रही है कि यदि वह गठबंधन में रहकर अपनी पहचान खो रही है, तो उससे बेहतर है कि अपनी स्वतंत्र पहचान के साथ इस लड़ाई को लड़ा जाए, भले ही इसका परिणाम तत्काल न मिले।

दबाव की राजनीति के चश्मे से देखें, तो कांग्रेस का यह रुख सपा को आईना दिखाने जैसा है। सपा ने लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस को गठबंधन में तो शामिल किया, लेकिन सीटों के बंटवारे और चुनावी प्रबंधन में उसने कांग्रेस की भूमिका को काफी सीमित रखा। कांग्रेस को यह अहसास हो चुका है कि यदि उसने अभी अपना स्टैंड स्पष्ट नहीं किया और अपनी ताकत का अहसास सपा को नहीं कराया, तो आने वाले विधानसभा चुनावों में भी उसे जूनियर पार्टनर बनकर ही संतोष करना पड़ेगा। इमरान मसूद का हमला इसी असंतोष की अभिव्यक्ति है। यह एक संदेश है कि यदि कांग्रेस की राजनीतिक गरिमा और चुनावी महत्व को नजरअंदाज किया गया, तो गठबंधन के भीतर भी संघर्ष अनिवार्य है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या अखिलेश यादव इस दबाव को झेलते हुए कांग्रेस के साथ सामंजस्य बिठा पाते हैं, या फिर यह दरार और बढ़ती जाती है।

गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश की राजनीति में अल्पसंख्यकों का वोट बैंक हमेशा से निर्णायक रहा है। कांग्रेस और सपा दोनों ही इस वोट बैंक को अपना आधार मानती हैं। कांग्रेस का वर्तमान रुख इस वोट बैंक में अपने पुराने वर्चस्व को पुन: प्राप्त करने की कोशिश का एक हिस्सा प्रतीत होता है। यदि कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओं को यह समझाने में सफल रहती है कि सपा केवल सत्ता के लिए उनका उपयोग कर रही है और कांग्रेस उनके दीर्घकालिक हितों के लिए बेहतर है, तो यह समीकरण पूरी तरह बदल सकता है। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि उत्तर प्रदेश का मुस्लिम मतदाता फिलहाल सपा के साथ अधिक सहज है, क्योंकि उसे भाजपा को हराने की क्षमता सपा में ही दिखती है। ऐसे में कांग्रेस का 'एकला चलो' वाला दांव कहीं उल्टा न पड़ जाए, यह डर भी कांग्रेस के रणनीतिकारों को सता रहा होगा।

लब्बोलुआब यह है कि कांग्रेस की यह आक्रामक नीति न केवल उत्तर प्रदेश की राजनीति, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की एकता के लिए भी एक परीक्षा है। यदि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में सपा से अलग होती है या उन पर हमलावर बनी रहती है, तो इंडिया गठबंधन की साख पर प्रश्नचिह्न लगना लाजिमी है। यह स्थिति भाजपा के लिए एक प्रकार से उपहार की तरह हो सकती है, क्योंकि विपक्ष का बंटवारा सीधे तौर पर सत्ताधारी दल को मजबूती प्रदान करता है। कांग्रेस का यह कदम एक जुआ है। एक ऐसा दांव, जिसमें जीत की संभावना कम, लेकिन स्वाभिमान की पुनर्स्थापना की ललक अधिक दिखती है। यह रणनीति बताती है कि कांग्रेस अब अपनी खोई हुई विरासत के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है, चाहे उसके लिए उसे अपने सहयोगी दलों के साथ रिश्तों को ही दांव पर क्यों न लगाना पड़े। आने वाले महीने इस बात के गवाह होंगे कि क्या यह रणनीति कांग्रेस को उत्तर प्रदेश की राजनीति में पुन: मुख्यधारा में लाती है, या फिर यह उसकी राजनीतिक आत्मघाती भूल साबित होती है।

नजरिया

क्या फिर से लौट रहा कोरोना वायरस?

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

कोरोना महामारी ने यह भी सिखाया कि स्वास्थ्य सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक का व्यवहार संक्रमण की दिशा तय करता है। यदि लोग लक्षण होने पर जांच कराएं, चिकित्सकीय सलाह का पालन करें और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें तो किसी भी संक्रामक रोग के प्रसार को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

कोरोना महामारी ने दुनिया को जो अनुभव दिया, उसने स्वास्थ्य व्यवस्था से लेकर अर्थव्यवस्था, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन तक सब कुछ बदल दिया। वर्षों तक चले लॉकडाउन, मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और टीकाकरण अभियानों के बाद जब जीवन धीरे धीरे सामान्य होने लगा, तब अधिकांश लोगों ने यह मान लिया कि कोरोना अब इतिहास बन चुका है। लेकिन हाल के दिनों में देश के कुछ राज्यों से कोविड 19 के नए मामले सामने आने और आंध्र प्रदेश में संक्रमण से दो लोगों की मौत की खबर ने एक बार फिर लोगों के मन में पुराने सवाल जगा दिए हैं। क्या कोरोना वायरस फिर लौट रहा है? क्या फिर मास्क पहनना अनिवार्य होगा? क्या सोशल डिस्टेंसिंग की वापसी होगी? या यह केवल सीमित स्तर पर संक्रमण का सामान्य उतार चढ़ाव है? हाल की घटनाओं पर नजर डालें तो आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में कोविड 19 के आठ सक्रिय मामलों की पुष्टि हुई है और दो संक्रमित मरीजों की मौत हुई है। इसके बाद राज्य सरकार ने निगरानी, सैंपलिंग, जीनोम सीक्वेंसिंग और अस्पतालों की तैयारियों को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने अस्पतालों में आवश्यक दवाओं, जांच किट और सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा है। यह कदम इस बात का संकेत है कि स्वास्थ्य तंत्र किसी भी संभावित स्थिति के लिए पहले से तैयार रहना चाहता है।

उत्तर प्रदेश में वाराणसी के आशापुर क्षेत्र के 27 वर्षीय युवक की कोविड जांच पॉजिटिव आने के बाद उसे बीएचयू अस्पताल में भर्ती कराया गया। युवक को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत थी। इसी तरह महाराष्ट्र, विशेषकर मुंबई में भी कुछ नए मामलों की पुष्टि हुई है। इन घटनाओं के बाद संबंधित राज्यों के स्वास्थ्य विभागों ने सतर्कता बढ़ा दी है। हालांकि मामलों की संख्या अभी बहुत अधिक नहीं है, लेकिन अलग अलग राज्यों में संक्रमण का दिखाई देना इस बात की याद दिलाता है कि वायरस पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इन खबरों के बीच प्रसिद्ध गायक और बिग बॉस 14 के पूर्व प्रतिभागी जान कुमार सानू के कोरोना संक्रमित होने की खबर भी चर्चा का विषय बनी। सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के संक्रमित होने पर आम लोगों का ध्यान स्वाभाविक रूप से इस ओर जाता है, लेकिन किसी एक या कुछ मामलों को व्यापक महामारी का संकेत मान लेना उचित नहीं होगा। महामारी विज्ञान में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए संक्रमण की दर, अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या, गंभीर मरीजों का अनुपात और सामुदायिक प्रसार जैसे कई संकेतकों का अध्ययन किया जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड 19 का वायरस अब पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। यह अन्य श्वसन संक्रमणों की तरह समय समय पर नए स्वरूपों के साथ सामने आ सकता है। अधिकांश देशों में अब कोविड की निगरानी सामान्य सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का हिस्सा बन चुकी है। इसका अर्थ यह नहीं है कि हर नया मामला नई महामारी की शुरुआत है, बल्कि यह कि स्वास्थ्य तंत्र लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या फिर मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग की वापसी होगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसका उत्तर फिलहाल नहीं है। केंद्र स्तर पर ऐसी कोई नई राष्ट्रीय अनिवार्य गाइडलाइन जारी नहीं की गई है, जिसमें सभी नागरिकों के लिए मास्क पहनना या सामाजिक दूरी बनाए रखना अनिवार्य किया गया हो। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञ यह सलाह अवश्य दे रहे हैं कि भीड़भाड़ वाले स्थानों, अस्पतालों और बंद कमरों में मास्क पहनना अभी भी एक अच्छा एहतियाती उपाय है। जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, बुजुर्ग हैं या पहले से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, उन्हें अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

कोरोना महामारी के दौरान हमने सीखा था कि संक्रमण की रोकथाम केवल सरकारी नियमों से नहीं होती, बल्कि व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि किसी व्यक्ति को बुखार, लगातार खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे जांच करानी चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। बीमारी की स्थिति में भीड़भाड़ से बचना और दूसरों के संपर्क को सीमित रखना न केवल कोविड बल्कि अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम में भी उपयोगी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस समय घबराने के बजाय सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। कोविड 19 के अधिकांश नए मामलों में गंभीर बीमारी नहीं देखी जा रही है, लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि सावधानी पूरी तरह छोड़ दी जाए। महामारी के वर्षों ने यह साबित किया कि शुरुआती लापरवाही संक्रमण को तेजी से फैलने का अवसर देती है। इसलिए समय पर जांच, संक्रमित व्यक्ति का उपचार और आवश्यकतानुसार अलग रहना आज भी प्रभावी रणनीति मानी जाती है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक सकारात्मक पक्ष भी है। 2020 की तुलना में आज भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था कहीं अधिक तैयार है। देश के अधिकांश अस्पतालों में कोविड प्रबंधन का अनुभव है। प्रयोगशालाओं की जांच क्षमता पहले से बेहतर है। जीनोम सीक्वेंसिंग की सुविधा भी अधिक व्यापक हो चुकी है, जिससे नए स्वरूपों की पहचान अपेक्षाकृत जल्दी हो सकती है। इसके अलावा बड़ी आबादी को पहले ही टीके लग चुके हैं, जिससे गंभीर बीमारी का जोखिम पहले की तुलना में काफी कम माना जाता है। महामारी ने लोगों की स्वास्थ्य संबंधी सोच भी बदली है। अब सामान्य सर्दी, खांसी और बुखार को भी लोग पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लेते हैं। हाथों की सफाई, खांसते समय मुंह ढकना और बीमार होने पर घर पर रहना जैसी आदतें केवल कोविड ही नहीं बल्कि इन्फ्लुएंजा और अन्य श्वसन संक्रमणों के प्रसार को भी कम करने में मदद करती हैं।

हालांकि सोशल मीडिया पर फैलने वाली अपुष्ट सूचनाओं से सावधान रहना भी उतना ही जरूरी है। अक्सर कुछ सीमित मामलों को बढ़ा चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है, जिससे अनावश्यक भय का माहौल बन जाता है। दूसरी ओर कुछ लोग हर चेतावनी को नजरअंदाज भी कर देते हैं। दोनों ही स्थितियां उचित नहीं हैं। सही तरीका यही है कि स्वास्थ्य मंत्रालय, राज्य सरकारों और विश्वसनीय चिकित्सा संस्थानों द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी पर भरोसा किया जाए। भारत में अभी जो स्थिति दिखाई दे रही है, वह व्यापक संक्रमण की नहीं बल्कि सीमित मामलों की है। विभिन्न राज्यों में नए मरीज मिलने के बाद निगरानी बढ़ाई गई है और स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में है। यह सतर्कता इसलिए आवश्यक है ताकि यदि संक्रमण बढ़ने के संकेत मिलें तो समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। यही सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत होती है कि वह संभावित खतरे का पहले से आकलन कर सके।

कोरोना महामारी ने यह भी सिखाया कि स्वास्थ्य सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक का व्यवहार संक्रमण की दिशा तय करता है। यदि लोग लक्षण होने पर जांच कराएं, चिकित्सकीय सलाह का पालन करें और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें तो किसी भी संक्रामक रोग के प्रसार को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। फिलहाल उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह कहना उचित होगा कि भारत में कोरोना वायरस पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और कुछ राज्यों में इसके नए मामले सामने आ रहे हैं। लेकिन अभी तक ऐसे संकेत नहीं हैं कि देश 2020 या 2021 जैसी व्यापक महामारी की ओर बढ़ रहा है। इसलिए डरने की नहीं, बल्कि जागरूक और सतर्क रहने की आवश्यकता है। मास्क को फिलहाल सार्वभौमिक रूप से अनिवार्य नहीं बनाया गया है, लेकिन जोखिम वाली परिस्थितियों में उसका उपयोग एक समझदारी भरा कदम है। यदि नागरिक सावधानी, वैज्ञानिक सोच और जिम्मेदार व्यवहार अपनाते हैं तो किसी भी संभावित चुनौती का सामना पहले की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्व कप में फिर दिखा 'मेस्सी मैजिक', केन भी हुए कायल

अटलांटा/एपी। लियोनेल मेस्सी ने सही समय पर अपने कौशल का शानदार नमूना पेश करके अर्जेंटीना को विश्व कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में इंग्लैंड पर 2-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, जिसके बाद प्रतिद्वंद्वी टीम के स्टार खिलाड़ी हैरी केन ने भी उनकी जमकर प्रशंसा की। मेस्सी ने भले ही कोई गोल नहीं किया लेकिन उन्होंने अर्जेंटीना की तरफ से दोनों गोल करने में मदद की। इससे उनकी टीम ने फिर से वापसी करके लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। इंग्लैंड के कप्तान केन ने कहा, लियो अब भी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। मुझे लगा कि मैच के बड़े हिस्से में हमने उनका बखूबी सामना किया। लेकिन दुनिया के सबसे खतरनाक खिलाड़ियों की तरह जब गेंद अंतिम छोर पर उनके पास होती है तो वह शानदार खेल दिखाते हैं। आज उन्होंने फिर यही किया। वह सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं।

राउंड ऑफ 16 में मिस्र के खिलाफ अप्रत्याशित वापसी के आठ दिन बाद मेस्सी अटलांटा लौटे और उन्होंने अपने करियर में एक और शानदार अध्याय जोड़ा। एंथनी गॉर्डन के 55वें मिनट में किए गए गोल से इंग्लैंड की उम्मीद बंधी थी लेकिन मेस्सी और उनके नीली जर्सी वाले साथियों ने फिर से साबित किया कि वे कभी हार नहीं मानते। खेल के 85वें मिनट में मेस्सी ने एक शॉर्ट कॉर्नर किक मारी। इसके तुरंत बाद ही उन्हें वापस पास मिला। उन्होंने देखा कि एंज़ो फर्नांडीज़ गोल से 25 गज की दूरी पर घात लगाए बैठे हैं। उन्होंने गेंद फर्नांडीज़ को दी जिन्होंने गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड को चकमा देकर स्कोर बराबर कर दिया।

उस समय ऐसा लग रहा था कि अर्जेंटीना की जीत निश्चित है। और ठीक वैसा ही हुआ। एक बार फिर मेस्सी ने ही कमाल दिखाया। स्टॉपेज टाइम के दूसरे मिनट में उन्होंने अचानक अपनी गति बढ़ा दी और गोलपोस्ट की ओर दौड़ते हुए पर्याप्त जगह बना ली, जिससे उन्हें पीछे वाले पोस्ट पर सटीक क्रॉस भेजने का मौका मिल गया। गेंद लोटारो मार्टिनेज के पास पहुंची, जिन्होंने दो डिफेंडरों के बीच से निकलकर बड़ी आसानी से हेडर से विजयी गोल दाग दिया। यह मार्टिनेज के लिए एक भावुक क्षण था और यह सब उनके कप्तान की बदौलत ही संभव हो पाया। मार्टिनेज ने कहा, ''यह वास्तव में बहुत प्रभावशाली है। जब मेरे पिताजी ने मुझे पहली बार फुटबॉल के जूते खरीदकर दिए थे, तब से मैं इस तरह का गोल करने का सपना देख रहा था।'' जब अंतिम सीटी बजी तो मेस्सी मैदान के बीच में घुटनों के बल बैठ गए और अपनी मुट्ठियां हवा में लहराने लगे। मेस्सी ने मौजूदा टूर्नामेंट में अभी तक आठ गोल किए हैं और वह फ्रांस के किलियन एमबाप्पे की बराबरी पर हैं।

रथ यात्रा

वार्षिक श्री जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान पवित्र 'धाड़ी पहांडी' परंपरा के तहत सेवायतों ने देवी सुभद्रा को श्रद्धापूर्वक दर्पदलन रथ तक पहुंचाया।

इटली के मूर्तिकार ने तैयार की है विश्व कप ट्रॉफी

मिलान/एपी। फीफा विश्व कप ट्रॉफी का डिजाइन इटली के एक मूर्तिकार ने तैयार किया है। उन्होंने इस सर्पिलाकार आकृति में खेल से जुड़ी तीन भावनाओं को दर्शाने की कोशिश की है जिसमें खिलाड़ियों का संघर्ष, प्रशंसकों का उल्लास और जीत का क्षण शामिल हैं। अमेरिका में चल रहे मौजूदा विश्व कप में रविवार को यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी अर्जेंटीना और स्पेन में से किसी एक के नाम होगी। जब ब्राजील ने 1970 में अपना तीसरा विश्व कप जीतकर मूल ट्रॉफी पर स्थायी अधिकार हासिल कर लिया था तो विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने एक नए डिजाइन के लिए खुली प्रतियोगिता शुरू की। इसके बाद सिल्वियो गज़ानिगा ने मिलान के ब्रेरा इलाके में स्थित अपने स्टूडियो में ट्रॉफी का डिजाइन तैयार किया। यह डिजाइन अब दुनिया भर के फुटबाल प्रेमियों की आंखों में रच बस चुका है। इसमें दो मानव आकृतियां पृथ्वी को पकड़े हुए हैं। गज़ानिगा का 2016 में निधन हो गया था।

इस मूर्तिकार के बेटे जियोर्जियो गज़ानिगा ने कहा, जब उन्होंने कप को डिजाइन करना शुरू किया तो वह कई चित्र बना रहे थे। इसके बाद ही उन्होंने अंतिम डिजाइन तैयार किया था। पहले विश्व कप (1930) के लिए जो ट्रॉफी तैयार की गई थी उसमें यूनान की देवी नाइकी का चित्र था। टूर्नामेंट के संस्थापक के नाम पर इसे जूल्स रिमेट ट्रॉफी के नाम से जाना जाता था। ब्राजील ने पूर्व में तय किए गए नियमों के अनुसार तीन विश्व कप जीतने वाला पहला देश बनने के बाद मूल ट्रॉफी पर स्थायी अधिकार हासिल कर लिया था। इसके बाद फीफा ने नई ट्रॉफी तैयार की थी। जूल्स रिमेट ट्रॉफी दो बार चोरी भी हुई थी। पहली बार 1966 में इंग्लैंड के पहली बार चैंपियन बनने के बाद इसे सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित किया गया था और यह चोरी हो गई थी। फीफा के अनुसार इसे दक्षिण लंदन में एक झाड़ी के नीचे पिकल्स नामक कुत्ते ने खोजा था। ब्राजील के ट्रॉफी पर स्थायी अधिकार होने के बाद 1983 में ब्राजील फुटबॉल महासंघ के मुख्यालय से इसे फिर से चुरा लिया गया था। यह ट्रॉफी आज तक बरामद नहीं हुई है और माना जाता है कि इसे पिघला दिया गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की तैनाती से बचें : डीजीएमए

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच नौवहन प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएमए) ने जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन कंपनियों तथा भर्ती सेवा कंपनियों को अगले आदेश तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की तैनाती से बचने का निर्देश दिया है। डीजीएमए ने एक परामर्श में कहा कि फारस की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमध्य और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में जहाजों के कप्तानों को उच्च स्तर की सुरक्षा सतर्कता बनाये रखना चाहिए। उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे सक्षम अधिकारियों द्वारा जारी नौवहन संबंधी चेतावनियों, सुरक्षा परामर्शों और नये घटनाक्रम पर नजर रखें तथा अंतरराष्ट्रीय पोत एवं बंदरगाह सुरक्षा (आईएसपीएस) संहिता के अनुसार लागू सभी सुरक्षा उपायों को अमल में लाएं।

इसमें कहा गया है, जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन कंपनियों और भर्ती एवं तैनाती सेवा लाइसेंस (आरपीएसएल) धारक कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे अगले आदेश तक उन जहाजों पर भारतीय नाविकों की तैनाती से बचें, जो होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाली यात्राएं कर रहे हैं। यह परामर्श इस सप्ताह होर्मुज जलडमरूमध्य में दो जहाजों- 'एमटी अल बहिया' और 'एमटी मोम्बासा' पर हुए हमलों के बाद जारी किया गया। इन दोनों जहाजों पर कुल 46 सदस्यीय चालक दल में 30 भारतीय नाविक शामिल थे। 'एमटी अल बहिया' पर सवार एक भारतीय नाविक की मौत हो गई थी जबकि एक अन्य नाविक घायल हो गया था।

एमटी मोम्बासा' पर सवार नौ भारतीय नागरिक घायल हो गये थे। सरकार ने मंगलवार को डीजीएमए से कहा था कि वह फारस की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी में संचालित प्रत्येक जहाज पर मौजूद भारतीय नाविकों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एक डैशबोर्ड' तैयार करे, चाहे उस जहाज पर ध्वज किसी भी देश का लगा हो।

कृति की झलक दिखाता गुवाहाटी का टर्मिनल-2 दुनिया के सबसे खूबसूरत हवाई अड्डों में शुमार

गुवाहाटी/भाषा। अगर आप गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 से गुजरेंगे तो आपको दूर से प्रतीत होगा कि आप एक बहुत बड़े बांस के जंगल से गुजर रहे हैं और स्वयं में यह एक पर्यटक स्थल लगता है। असम की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित शानदार डिजाइन वाला यह भव्य टर्मिनल, आधुनिक अभियांत्रिकी और पारंपरिक कला का बेहतरीन समन्वय है। गुवाहाटी हवाई अड्डा पूर्वोत्तर भारत का प्रवेश द्वार है और यात्रियों के लिए कई तरह की आधुनिक सुविधाएं देता हैं, लेकिन इसके नए टर्मिनल-2 को जो चीज खास बनाती है, वह है इसकी प्रकृति-थीम वाली बनावट - जो देखने में बेहद शानदार है।

इस टर्मिनल के डिजाइन को द बैम्बू ऑर्किड्स' नाम दिया गया है और यह कोपोऊ फूल' और इलाके में पाए जाने वाले बांस से प्रेरित है। टर्मिनल इमारत में लगे कंक्रीट के विशाल खंभों पर एक खास तरह की परत चढ़ी है जो हवाई अड्डे को प्रकृति से करीब होने का अहसास कराती है। इन कलात्मक खंभों के साथ-साथ शानदार उड़ान पूर्व प्रतीक्षा स्थल (डिपार्चर लाउंज) तक ले जाने वाले द्वार भी हैं। इन द्वारों के चारों ओर बड़ी-बड़ी डिजिटल स्क्रीन लगी हैं, जिन पर लगातार प्रकृति की तस्वीरें चलती रहती हैं। इससे न केवल वास्तुकला का स्तर बेहतर होता है, बल्कि यात्रियों को शानदार अनुभव भी होता है।

हाल ही में, प्रतिष्ठित 'प्रिक्स वर्साय' ने गुवाहाटी के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 और नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) को 2026 के लिए दुनिया के सबसे खूबसूरत हवाई अड्डों की सूची में शामिल किया है। यह सम्मान दुनिया भर में बेहतरीन वास्तुकला और डिज़ाइन को मान्यता देता है। इन दोनों हवाई अड्डों का प्रबंधन देश की सबसे बड़ी निजी हवाई अड्डा संचालन कंपनी, अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचआईएल) करती है। 'प्रिक्स वर्साय' तैयार सबसे खूबसूरत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों की सूची में शामिल अन्य नाम चीन का ग्वांगझू हवाई अड्डा, जर्मनी का फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डा और अमेरिका का पिटसबर्ग हवाई अड्डा है। लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय (एलजीबीआई) हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर 2025 में किया था, जबकि यात्रियों के लिए यहां से सेवाएं इस साल मार्च से शुरू हुईं। कई यात्रियों को इसकी बनावट और आकर्षक सजावट की तस्वीरें लेते या इसकी पृष्ठभूमि के साथ सेल्फी लेते हुए देखा जा सकता है। मुंबई में काम करने वाले गुवाहाटी निवासी 36 साल के शशांक बोरदोलोई का कहना है कि नया टर्मिनल बहुत ही शानदार है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैं भी यहां पहली बार आया हूं और यह काफी अनोखा है। उन्होंने इसे बहुत अच्छे से सजाया है... हमारे पुराने हवाई अड्डे की तुलना में यह हवाई अड्डा काफी सुंदर है। मुंबई, बेंगलुरु और दूसरे टियर-1 शहरों के हवाई अड्डों से तुलना करें तो गुवाहाटी हवाई अड्डे ने काफी तरक्की की है।''

मेरी जिंदगी पर फिल्म बनी तो कहानी दिलचस्प होगी : शहनाज गिल

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक अपनी खास पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शहनाज गिल आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी मासूमियत, बेबाक अंदाज और मेहनत के दम पर उन्होंने लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई है। रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' से घर-घर में लोकप्रिय हुईं शहनाज अब फिल्मों में भी अपनी अलग पहचान बनाने में जुटी हुई हैं। वह अब अपनी आने वाली फिल्म 'इश्कनामा' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने आईएएनएस से बात तरते हुए अपनी जिंदगी, प्रेम कहानी और एक कलाकार के तौर पर जिम्मेदारियों को लेकर खुलकर बात की है।

शहनाज गिल ने कहा कि अगर कभी उनकी जिंदगी पर फिल्म बनाई जाती है तो वह कहानी बेहद दिलचस्प होगी। हालांकि, उन्होंने अभी से अपनी जिंदगी पर बनने वाली फिल्म का नाम बताने से इनकार कर दिया। अभिनेत्री का कहना है कि जब ऐसा मौका आएगा, तब वह खुद अपनी कहानी का टाइटल दुनिया के सामने बताएंगी। शहनाज से पूछा गया कि अगर उनकी जिंदगी की अपनी कोई 'इश्कनामा' यानी प्रेम कहानी हो, तो उसका टाइटल क्या होगा। इस सवाल पर अभिनेत्री ने कहा, जब मेरी जिंदगी पर फिल्म बनेगी तो मुझे लगता है कि वह बहुत दिलचस्प होगी, और जब ऐसा होगा, तब मैं उसका टाइटल भी बताऊंगी।

फिल्म में अपने किरदार को लेकर शहनाज गिल ने कहा, ''मुझे लगता है कि जब किसी सच्ची कहानी पर फिल्म बनाई जाती है तो जिम्मेदारी लेना बहुत जरूरी होता है।

मैंने अपनी तरफ से इस जिम्मेदारी को पूरी क्षमता के साथ निभाने की कोशिश की है। मुझे विश्वास है कि मेरे किरदार को लोग जरूर पसंद करेंगे।'' फिल्म की बात करें, तो 'इश्कनामा' एक सच्ची प्रेम कहानी से प्रेरित बताई जा रही है, जिसमें निम्मा और नसीमा के रिश्ते को दिखाया गया है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

'भूल भुलैया 4' की चर्चा से फैंस में बढ़ी रूह बाबा की वापसी की उत्सुकता

मुंबई/एजेन्सी

कार्तिक आर्यन का रूह बाबा का किरदार पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय किरदारों में से एक बन चुका है। ऐसे में भूल भुलैया 4 को लेकर सामने आ रही खबरों ने फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। हालांकि फिल्म की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन रूह बाबा के रूप में कार्तिक की संभावित वापसी की चर्चा पहले ही सोशल मीडिया और फिल्म प्रेमियों के बीच बड़ा विषय बन चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि 'भूल भुलैया 4' की चर्चाओं के बीच कार्तिक आर्यन ने चुपचाप अपनी पीढ़ी के अन्य सितारों के मुकाबले सबसे मजबूत और विविधतापूर्ण फिल्मों की लाइन-अप तैयार कर ली है। फिलहाल आइए जानते हैं उनकी आने वाली फिल्मों के बारे में।

कार्तिक आर्यन पहली बार मशहूर निर्देशक अनुराग बसु के साथ एक अनटाइटल्ड म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा में नजर आनेवाले हैं। यह फिल्म एक भावनात्मक प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें कार्तिक का एक नया और इंटेंस रोमांटिक अंदाज देखने को मिलेगा। यह उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक मानी जा रही है।'नागजिला' एक फैंटेसी कॉमेडी फिल्म है, जिसमें कार्तिक आर्यन बिल्कुल अलग और मजेदार अवतार में दिखाई देंगे। फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसे लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। 'कैप्टन इंडिया' एक वास्तविक रेस्क्यू मिशन से प्रेरित देशभक्ति पर आधारित एक्शन ड्रामा है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में कार्तिक एक साहसी और प्रेरणादायक किरदार निभाते नजर आएंगे, जिससे दर्शकों को एक और बड़े पर्दे का मनोरंजक अनुभव मिलेगा। 'चंदू चैंपियन' की सफलता के बाद कार्तिक आर्यन एक बार फिर निर्देशक कबीर खान के साथ एक नई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में काम कर रहे हैं। इस फिल्म को लेकर फैंस में काफी उत्साह है और सभी कार्तिक को एक और दमदार, परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड भूमिका में देखने का इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा के साथ फैंटेसी कॉमेडी, देशभक्ति से भरपूर एक्शन फिल्म, स्पोर्ट्स ड्रामा और संभावित 'भूल भुलैया 4' जैसी ब्लॉकबस्टर हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइज़ी, कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्मों की यह शानदार लाइन-अप उनकी बहुमुखी प्रतिभा और लगातार बढ़ते स्टारडम को दर्शा रही है। यही वजह है कि आने वाले वर्षों में वह बॉलीवुड के सबसे रोमांचक और बहुप्रतीक्षित सितारों में से एक बने हुए हैं।

पंजाबी सिनेमा में लौटीं अपूर्वा अरोड़ा

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'सिटी ब्यूटीफुल' से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ 'डिस्को सिंह' में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और 'सिटी ब्यूटीफुल' वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। हम चंडीगढ़ और मोहाली में शूटिंग कर रहे हैं। सेट पर हर कोई बहुत अच्छा और सपोर्टिव है। हमारे डायरेक्टर ने पूरे प्रोसेस को बहुत आरामदायक बना दिया है और हर दिन सेट पर आना बहुत अच्छा लगा है। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा।

सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर फातिमा सना शेख और श्वेता तिवारी ने उठाई आवाज

मुंबई/एजेन्सी

लद्दाख के प्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 28 जून से भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं और तब से उनका वजन क़रीब साढ़े आठ किलो तक कम हो गया है, जिसे देखते हुए देश की कई बड़ी हस्तियों ने इस पर सवाल उठाए हैं। गुरुवार को अभिनेत्री फातिमा सना शेख और श्वेता तिवारी ने भी सोशल मीडिया के जरिए अपनी राय रखी। अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने इंस्टाग्राम पर सोनमा वांगचुक की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, सोनम वांगचुक जी के अनशन (भूख हड़ताल) को आज 19 दिन हो गए हैं। हमें तब तक इंतजार नहीं करना चाहिए जब तक कि उनकी तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ न जाए। सोनम जी ने हमारे देश के लिए बहुत बड़े और अच्छे काम किए हैं। अपनी बात सरकार तक पहुंचाने के लिए उन्हें इस तरह अपनी जान दांव पर न लगानी पड़े, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर नोट शेयर करते हुए लिखा, राजनीति को

अलग रखकर देखें तो हमारे युवाओं और छात्रों का भविष्य सुरक्षित करना सबसे जरूरी है। सोनम जी को इस तरह कमजोर होते देखना बेहद दुखद है। उम्मीद है कि सरकार बातचीत के जरिए जल्द ही इसका कोई शांतिपूर्ण समाधान निकालेगी। आज के नौजवान ही देश का आने वाला कल हैं। हमारा यह फर्ज बनता है कि हम उनके साथ खड़े हों और एक बेहतर व सुरक्षित भविष्य पाने में उनका पूरा साथ दें।

श्वेता तिवारी ने कहा, सोनम वांगचुक जी शिक्षा और हमारे बच्चों के भविष्य के लिए एक सही और जरूरी मुद्दे के लिए आवाज उठा रहे हैं। इस मुद्दे पर ध्यान दिया जाना चाहिए और सरकार को उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए।अभिनेत्री ने ये स्पष्ट किया कि उनका सीजेपी पार्टी से कोई समर्थन नहीं है। उनका मानना है कि सीजेपी अपने काम के लिए सोनम वांगचुका का फायदा उठा रही है। उन्होंने लिखा, जिस तरह से सीजेपी इस मामले को संभाल रहे हैं, मैं उससे सहमत नहीं हूं।

मुझे लगता है कि वे सोनम वांगचुक के संघर्ष का इस्तेमाल अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कर रहे हैं। मैं इस तरीके का समर्थन नहीं करती। मेरा समर्थन केवल सोनम वांगचुक और उस मुद्दे के लिए है, जिसके लिए वे संघर्ष कर रहे हैं, न कि किसी राजनीतिक समूह या संगठन के लिए जो इससे अपना फायदा उठाना चाहता है। उन्होंने आखिरी में लिखा, हमारे राजनीतिक विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन हम ऐसे व्यक्ति को खोने का जोखिम नहीं उठा सकते जिसने अपना जीवन देश और शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया है। हमारा ध्यान उनके संदेश, उनकी सेहत और इस समस्या के सही समाधान पर होना चाहिए।

'मुस्कान, मौन और समता की प्रतिमूर्ति थीं साध्वी अनन्तकीर्तिश्री'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान और आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म. के सान्निध्य में गुरुवार प्रातः आचार्य देवेश भुवनभानु सूरीश्वरजी म. के समुदाय के साध्वी अनन्तकीर्ति श्रीजी म. की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित गुणानुवाद सभा का शुभारंभ सुश्रावक श्रेणिक जैन के वीर-विरति का वेश, साधु जीवन को जय-जयकार हो के गगनभेदी उद्घोष के साथ हुआ।

इस अवसर पर आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म. ने साध्वीश्री के जीवन का गुणानुवाद करते हुए बताया कि उन्होंने मात्र आठ वर्ष की आयु में संयम ग्रहण किया था। दीक्षा के पश्चात उन्होंने शासन-प्रभावना के अनेक कार्य किए तथा 300 से अधिक को चारित्रदान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि साध्वीश्री अंतिम समय तक यही कहती थी कि विशाल शिष्य परिवार

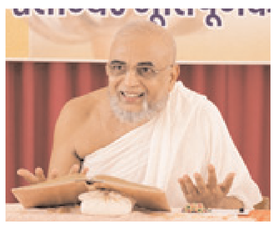

उनकी शक्ति नहीं, बल्कि देव, गुरु और धर्म की कृपा ही उनकी वास्तविक ताकत है।

उन्होंने एक प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि एक व्यक्ति के हृदय का ऑपरेशन हुआ। डॉक्टर ने आठ घंटे के ऑपरेशन के लिए आठ लाख रुपये लिए, लेकिन वह व्यक्ति रोने लगा।

कारण पूछने पर उसने कहा कि डॉक्टर ने कुछ घंटों के लिए हृदय संभाला और इतनी बड़ी फीस ली, जबकि परमात्मा जन्म से अब तक मेरा हृदय निरंतर चला रहे हैं और उन्होंने कभी कोई मूल्य नहीं लिया।

यह परमात्मा का कितना बड़ा उपकार है। उन्होंने कहा कि सत्ता, संपत्ति, पद जो कुछ भी हमें मिला है, वह सब परमात्मा की कृपा से ही प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि जिनशासन में श्रमण भगवंत जितने महत्वपूर्ण है, उतना ही श्रमणी भगवंतों का भी योगदान है। यदि श्रमण कलश हैं तो श्रमणियां नींव के पत्थर हैं। उन्होंने सभी से संकल्प लेने का आह्वान किया कि यदि उनके परिवार से कोई श्रमण या श्रमणी बनने का भाव प्रकट करे तो वे उसमें कभी बाधक नहीं बनेंगे, बल्कि अनुमोदना करेंगे। उन्होंने कहा कि साध्वी अनन्तकीर्ति श्रीजी आज ही के दिन समाधिपूर्वक देवलोकगमन कर गई थीं। उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम भी उनके श्रेष्ठ जीवन-मूल्यों को अपनाएं।

आचार्यश्री ने कहा कि जैसे किसी धनवान को देखकर धनवान बनने की प्रेरणा मिलती है, उसी प्रकार साधु को देखकर साधु बनने का भाव भी जागृत होता है। जब किसी के मन में चारित्र ग्रहण करने का भाव उत्पन्न होता है, तो वह दूसरों को भी प्रेरित करता है। तीन बहनों ने ऐसे ही प्रेरित होकर दीक्षा ग्रहण की थी, जिनमें साध्वी अनन्तकीर्ति श्रीजी भी थीं।

दुख का कारण वियोग है : जयधुरंधर मुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत र। यहां श्री केवल मुनि जैनोदय ट्रस्ट भवन में श्री पार्श्वचन्द्रजी, डॉ. पदमचन्दजी के आज्ञानुवर्ती शिष्य श्री जयअभयमुनि के गुरु भक्ति के स्तवन से प्रवचन की शुरुआत हुई। संतश्री जयपुरंदरजी म.सा. ने बताया कि द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव से कर्म प्रभावित होते हैं। काल तत्व पर जैन आगम शास्त्रों में गहन विश्लेषण किया गया है और काल के प्रभाव से कोई बच नहीं पाता है। इस काल यानी समय का सदुपयोग कर साधक अपना मनुष्य भव सुधार सकता है। मुनिश्री जय धुरंधरजी म. सा. ने इस मानव जीवन में दुख का मूल कारण वियोग को बताया। इष्ट वस्तु या व्यक्ति के वियोग से जीव, आर्त अशुभ ध्यान करता है। शूले श्रीसंघ के अध्यक्ष उत्तम चंद कोठारी ने बताया कि प्रवचन में शूले, आस्टीन टाउन, शांति नगर, अलसूर , संपगीरामनगर, राजाजी नगर के अलावा मैसूरु, रायचूर आदि क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित थे। संचालन महामंत्री सुनील मरलेचा ने किया।

शिम्मोग्गा में जीतो लेडीज विंग द्वारा उड़ान 2.0 का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिम्मोग्गा। यहां जीतो लेडीज विंग द्वारा आयोजित उड़ान 2.0 के तहत प्रदर्शनी की मुख्यअतिथि उषा भोपालम, जो कि एक महिला उद्यमी है उनके हाथ से रिबन कटिंग और दीप प्रज्ज्वलित किया गया। चेयरपर्सन सुमन कवाड़, सेक्रेटरी हेमा कोठारी ने सभी का इस प्रदर्शनी में स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत और मंच का संचालन विनीता कवाड़ ने किया। छाया डोसी ने प्रदर्शनी के बारे में प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि नारी उत्थान के लिए उड़ान एक जबरदस्त प्लेटफार्म है। सभी स्टालों का अवलोकन मुख्यअतिथि द्वारा किया गया। सबको उनके व्यवसाय का एक इकोनामिक एंपावरमेंट मिले ऐसा ज्ञापित किया, बड़े से बड़ा और छोटे से छोटा व्यवसाय का भी इस प्रदर्शनी में ख्याल रखा गया।

जैन फूड की सभी प्रकार की वस्तुओं से लेकर, कपड़े, ज्वेलरी, होम डेकोर, बच्चों के गेम्स आर्ट एंड क्राफ्ट इस प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण रहे। प्रदर्शनी में सैंकड़ों लोगों की उपस्थिति रही।

महिला उद्यमियों के बीच बढ़ा व्यवसायिक नेटवर्क

स्वयं-वी कनेक्ट की आभासी बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज़ विंग बेंगलूरु नॉर्थ के स्वयं-वी कनेक्ट (प्रथम महिला व्यवसाय रेफरल समूह) द्वारा 15 जुलाई को ज़ूम के माध्यम से प्रथम अंतर-अध्याय आभासी बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक स्वयं औरिका वॉकेश्वर एवं स्वयं अवंतिका घाटकोपर, मुंबई के सहयोग से आयोजित हुई।

रेफरल प्रमुख सीए सुखदेवी सी. जैन ने स्वयं-वी कनेक्ट की कार्यप्रणाली का परिचय देते हुए नेतृत्व टीम एवं सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में जीतो लेडीज़ विंग बेंगलूरु नॉर्थ की अध्यक् लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, सहमंत्री सुमन रांका तथा एपेक्स आत्मनिर्भर गृह व्यवसाय मॉडल संयोजिका बिंदु रायसोनी सहित मुंबई के विभिन्न अध्यायों की पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।औरिका वॉकेश्वर एवं अवंतिका घाटकोपर की टीमों ने अपने-अपने नेतृत्व दल एवं सदस्यों का परिचय कराया तथा महिला उद्यमिता को सशक्त बनाने के लिए संयुक्त प्रयासों पर विचार साझा किए।

बैठक के दौरान आयोजित 30 सेकंड परिचय एवं रेफरल सत्र में सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने व्यवसाय का परिचय दिया और नए व्यावसायिक संपर्क स्थापित किए। कार्यक्रम का समापन भविष्य में ऐसे और अधिक अंतर-अध्याय सहयोग एवं व्यवसायिक अवसरों को बढ़ावा देने के संदेश के साथ हुआ।

राजाजीनगर तेरापंथ महिला मंडल की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर का 2025-2026 की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन 15 जुलाई को तेरापंथ भवन राजाजीनगर में संपन्न हुआ। अध्यक्ष सुनीता कोठारी ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में मंडल की आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी और सभी सदस्यों को मंडल में सक्रिय होने की प्रेरणा दी। मंत्री अरुणा कोठारी ने कार्यकाल की सभी गतिविधियों का प्रतिवेदन पटल पर प्रस्तुत किया जिसे सदन ने पारित किया। कोषाध्यक्ष सरिता संचेती ने आय व्यय का ब्यौरा दिया। इस कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष लता नवलखा ने किया तथा उपाध्यक्ष सरिता हीरावत ने आभार व्यक्त किया।

उपप्रवर्तक श्रुतमुनि का टी.नगर स्थानक में आगमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्रमणसंघीय उपप्रवर्तक कोटा संघ प्रमुख श्री श्रुतमुनिजी म.सा., अक्षरमुनिजी, मधुरमुनिजी, नव दीक्षित सुधीरमुनिजी गुरूवार को सुबह नुंगमबाक्कम से विहार करके बर्किट रोड़ माम्बलम जैन स्थानक में आगमन हुआ।

माम्बलम संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों, विहार टीम, पाठशाला के बालक बालिकाओं, एस. एस. जैन महिला मण्डल व अन्य कई विहार सेवा देने वाले श्रावक-श्राविकाओं ने धार्मिक जुलूस व जैन धर्म के नारों के साथ गुरू भगवंतों की अगुवाई कर स्वागत अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है की पूज्य गुरूदेव श्री श्रुतमुनिजी का वर्ष 2026 का मंगलमय चातुर्मास मैलापुर-चेन्नई श्री संघ के तत्वावधान में होगा। माम्बलम संघ अध्यक्ष डॉ. एम. उत्तमचन्द गोठी ने बताया कि गुरू भगवंतों के सानिध्य में दैनिक कार्यक्रम के तहत अनेक धार्मिक कार्यक्रम किए जाएंगे।

मुनिश्री की उपस्थिति में हुआ ज्ञानशाला का प्रारंभ

बेंगलूरु।/दक्षिण भारत आचार्य श्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री आकाश कुमारजी के सान्निध्य में हनुमंतनगर ज्ञानशाला का प्रारंभ किया गया। ज्ञानशाला संयोजिका मंजू दक ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि गर्मियों की छुटियों के पश्चात पुनः नियमित रूप से ज्ञानशाला शुरू हुई है। हम सौभाग्यशाली हैं कि इस अवसर पर हमें मुनिश्री का सानिध्य प्राप्त हुआ। ज्ञानशाला के बच्चों ने संतों की वंदना की एवं विहार की सुखसाता पूछी। मुनिश्री आकाश कुमारजी ने बच्चों को जैन धर्म के बारे में बताया, जैन बालक की पहचान के बारे में बताया और टीमवर्क के विषय पर कहानी सुनाई। मुनि श्री हितेंद्र कुमार जी ने तेरापंथ धर्म के बारे में आचार्य भिक्षु की द्रव्य दीक्षा भाव दीक्षा के बारे में बताया।सभी बच्चों को एक साथ 11 आचार्य एवं 24 तीर्थंकरों के नाम बुलाए गए बच्चों के जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। ज्ञानशाला प्रशिशिकाओं द्वारा आभार ज्ञापित किया गया। मुनिश्री के मंगल पाठ से कार्यक्रम का समापन हुआ।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ महिला मंडल कोयम्बटूर द्वारा श्रीउत्सव के आयोजन से प्राप्त धनराशि का उपयोग जैन डायग्नोस्टिक एंड डायलिसिस सेंटर कोयंबटूर में 125 निशुल्क डायलिसिस करवाने के लिए प्रदान किया। सेंटर के सेक्रेटरी रोबिन बाबेल कोषाध्यक्ष व अन्य सदस्यों की उपस्थिति में सवा लाख का चेक मंडल की अध्यक्ष रूपकला भंडारी, मंत्री रेखा मरोठी, उत्सव की चैयरमैन बबीता गुनेचा सहित अन्य सदस्यों ने भेंट किया। अमर निधि स्कीम के अंतर्गत डायलिसिस सेंटर में तेम मंडल का नाम एवं हर वर्ष इसी तारीख को फ्री डायलिसिस किया जाएगा।

संतों की जात नहीं देखते उनकी वाणी का महत्व है : 'कमलेश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहां के हल्लदकेरी के स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में विराजित श्री कमल मुनिजी 'कमलेश' ने अग्रहार स्थित तेरापंथ भवन के सभागार से प्रवचन में बताया कि भयंकर प्यास लगी हो तब कोई भी व्यक्ति सामने की जाति, धर्म नहीं पूछता, निःसंकोच पानी पी लेते है। वैसे ही महापुरुषों की वाणी के लिए पंथ संप्रदाय और गुरु के बारे में नहीं पूछना चाहिए। जैन मुनि ने कहा कि हमें वाणी से मतलब है। प्राण बचाने के लिए पानी पियेंगे। पानी नहीं मिला तो एक जन्म का नुकसान है और प्रभु की वाणी नहीं मिली तो आत्मा का जन्म जन्मांतर में नुकसान है। संतश्री ने कहा कि पानी में कचरा जाए तो पानी पीना नहीं छोड़ेंगे, बल्कि छानकर पियेंगे। वैसे ही वाणी रूपी पानी में तेरा मेरा, राजनीतिक उठापटक, स्वार्थ, लोभ, मोह, विवादों का कचरा आ जाए उस पर ध्यान न देते हुए महापुरुषों की वाणी का रसपान करना चाहिए। जिससे कर्मों की निर्जरा होगी। शरीर निरोग बनेगा और आत्मा में अनंत शक्ति का संचार होगा। भौतिकवाद में कलयुग में भी हम जैसे संतों का निर्माण भी उसी का प्रभाव है। यह किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह महापुरुषों की वाणी का ही प्रभाव है। इसी के सहारे भारत को विश्व गुरु बनने का सौभाग्य मिला है।

महामंगलकारी संक्रांति समारोह आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां गोडवाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के तत्वावधान में आचार्यश्री विजय वल्लभसूरीश्वरजी म.सा. समुदाय के श्रीमद् विजय नित्यानंद सूरीश्वरजी म.सा. की विश्व शांति प्रदायक महामंगलकारी संक्राति समारोह का आयोजन शुक्रवार को किया जा रहा है।17 जुलाई को आचार्यश्री पंन्यासश्री धर्मशील विजयजी,मुनिश्री मोक्षानंदविजयजी, मुनिश्री धरणेन्द्रविजयजी, मुनिश्री ज्ञानानंदविजयजी, मुनिश्री परमानंदविजवयजी, साध्वी सिद्धप्रज्ञाश्रीजी, साध्वी रश्मि प्रज्ञाश्रीजी साथ बसवनगुड़ी के मेघा रेसीडेन्सी रोड से सुबह 8.30 बजे सामैय्या के साथ वीवीपुरम् के महावीर धर्मशाला में प्रभु भक्ति, गुरु कृपा, दान और अनेक धार्मिक अनुष्ठान को समर्पित संक्रांति महोत्सव का आयोजन होगा। कार्यक्रम के लाभार्थी शंखेश्वर डवलपर्स, ग्रीन अरिहंत एग्रो के गांग परिवार हैं। गच्छाधिपति का गुरु कृपा चातुर्मासिक महाप्रवेश 19 जुलाई को लालबाग रोड क्रॉस स्थित गोडवाड़ भवन में सुबह 10 बजे होगा।

कर्नाटक के सूखे को राष्ट्रीय स्तर की 'आपदा' घोषित किया जाए : उपमुख्यमंत्री की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने सुपर अल नीनो मौसमी घटना के कारण राज्य में सूखे जैसे हालात पैदा होने को लेकर बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले दो महीने में राज्य में बारिश में भारी कमी दर्ज की गई है और नई बोई गई फसलों को नुकसान हुआ है। 'सुपर अल नीनो' प्राकृतिक मौसमी घटना है जो प्रशांत महासागर का तापमान सामान्य से बहुत अधिक होने के कारण होती है। इससे कई देशों में मानसून कमजोर पड़ सकता है, जिसके कारण सामान्य से कम बारिश होने की आशंका रहती है।

परमेश्वर ने बताया कि राज्य के राजस्व मंत्री के रूप में उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष) की राशि तुरंत जारी करने का अनुरोध किया है और मौजूदा सूखे को राष्ट्रीय स्तर की आपदा घोषित करने या संविधान व कानून के तहत इसी स्तर की सहायता देने की मांग की है। परमेश्वर ने कहा, सुपर अल नीनो मौसमी घटना का भारत पर बड़ा असर पड़ा है। कर्नाटक में जून में सामान्य से 42 प्रतिशत और जुलाई में 34 प्रतिशत कम बारिश हुई।

किसानों ने एक-दो बार हुई बारिश के बाद बुवाई की लेकिन अब उनकी फसलें खराब हो रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के 245 तालुकों में से केवल 15 में सामान्य से अधिक बारिश हुई है और 157 तालुकों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है जबकि 14 तालुकों में स्थिति बेहद खराब है। उन्होंने कहा, मैंने राज्य के कई जिलों की स्थिति की समीक्षा की है। बेलगावी मंडल में दो समीक्षा बैठकें, कलबुर्गी मंडल में एक और चित्रदुर्ग में एक बैठक हुई है। मुख्यमंत्री के साथ भी एक और समीक्षा बैठक होगी। अन्य मंत्री भी लगातार बारिश, फसलों की स्थिति और लोगों तथा पशुओं के लिए पीने के पानी जैसी जरूरतों की समीक्षा कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सूखे की स्थिति से निपटने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है और पीने के पानी की व्यवस्था के लिए प्रत्येक जिले को पहले ही पांच करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि इस राशि का उपयोग केवल पीने के पानी की व्यवस्था के लिए किया जाए। उन्होंने बताया, इसके अलावा, उपायुक्तों के पीडी खातों में 329.61 करोड़ रुपये उपलब्ध हैं। तालुक और जिला स्तर पर कार्यबल तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की नियमित बैठकें हो रही हैं। मंत्री के अनुसार, एक जून से 15 जुलाई के बीच राज्य में सामान्य से 37 प्रतिशत कम बारिश हुई है और जुलाई में बारिश की कमी और बढ़ गई है। उन्होंने कहा, बेंगलूरु में पिछले 15 दिन से बारिश नहीं हुई।

इमरान खान के जेल में तीन साल होने पर उनकी पार्टी पूरे पाकिस्तान में विरोध प्रदर्शन करेगी

लाहौर/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने बृहस्पतिवार को पांच अगस्त को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। यह प्रदर्शन उनके नेता के जेल में तीन साल पूरे होने के मौके पर किया जाएगा। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने कहा कि विरोध प्रदर्शन पांच अगस्त से शुरु होगा और तब तक जारी रहेगा जब तक उनके नेता को रिहा नहीं किया जाता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर से राजनेता बने 73 वर्षीय इमरान खान इस समय रावलपिंडी की अडियाला जेल में एकांत कारावास में बंद हैं। उन्हें पांच अगस्त 2023 को इस्लामाबाद की एक निचली अदालत द्वारा तोशाखाना (राष्ट्रीय खजाना) मामले में भ्रष्टाचार का दोषी ठहराए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन्हें कई अन्य मामलों में भी गिरफ्तार किया गया और दोषी ठहराया गया, जिसकी वजह से वह लगातार जेल में हैं।

भारत की चुनाव प्रणाली दुनिया में सर्वाधिक पारदर्शी और निष्पक्ष : मुख्य निर्वाचन आयुक्त

मुरादाबाद/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भारत की चुनाव प्रणाली दुनिया की सबसे सक्षम, पारदर्शी और विश्वसनीय प्रणालियों में से एक है। कुमार ने तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय (टीएमयू) पाकबड़ा के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भारत की चुनाव प्रणाली विश्व की सबसे सक्षम, पारदर्शी और विश्वसनीय प्रणालियों में से एक है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष चुनाव और त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का आधार हैं, जिनके लिए बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

कुमार ने कहा कि भारत 2026 में दुनिया के प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के संगठन अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान' की अध्यक्षता कर रहा है, जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भविष्य में वह जहां भी प्रशासनिक दौरे पर जाएंगे, वहां बीएलओ के साथ सीधा संवाद करेंगे, क्योंकि इससे मतदाता सूची को और अधिक शुद्ध, त्रुटिहीन एवं मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। कुमार ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया के तीन प्रमुख चरण मतदाता सूची निर्माण, मतदान और मतगणना पूरी तरह से पारदर्शी व्यवस्था के तहत संपन्न कराए जाते हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न राजनीतिक दल और चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी इन सभी प्रक्रियाओं का लगातार परीक्षण करते रहते हैं और यही कारण है कि भारतीय निर्वाचन प्रणाली अपनी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता के लिए दुनियाभर में जानी जाती है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के टीएमयू पहुंचने पर उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.